आषाढ़ शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 332 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 01-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना की

6 रोगी के लिए स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर

7 पंचायत वेब सीरीज को दिल के करीब मानते हैं रघुवीर यादव

फर्स्ट टेक

भारत और भूटान ने विकास साझेदारी की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और भूटान ने 2024-2029 के दौरान दिल्ली की ओर से दिये गए 10,000 करोड़ रुपये के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं की सोमवार को व्यापक समीक्षा'' की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता में भूटान में स्वास्थ्य सेवा, संपर्क और शहरी बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों को कवर करने वाली 1,113 करोड़ रुपये की कुल 10 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। इसमें कहा गया है कि भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ साझेदारी है, जो सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित है। यह वार्ता भारत-भूटान विकास साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने के लिए एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय तंत्र है।

रथयात्रा : पुरी की भगदड़ की घटना की प्रशासनिक जांच शुरू

पुरी/भुवनेश्वर/भाषा। पुरी में भगदड़ में तीन लोगों की मौत और 50 अन्य के घायल हो जाने के एक दिन बाद ओडिशा की विकास आयुक्त (डीसी) अनु गर्ग ने सोमवार को इस घटना की प्रशासनिक जांच शुरू कर दी। इस बीच, ओडिशा मानवाधिकार आयोग (ओएचआरसी) ने सोमवार को जिला प्रशासन और पुलिस से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित कदम उठाने को कहा। गर्ग को पुरी में रथ यात्रा के दौरान श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ की घटना की जांच सौंपी गई है। उन्होंने पुरी का दौरा किया और उस जगह का निरीक्षण किया जहां भगदड़ हुई थी। गर्ग अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) भी हैं।

जर्मनी यूक्रेन को तेजी से हथियार बनाने में मदद करेगा

कीव/एपी। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोमवार को कहा कि उनके देश का लक्ष्य यूक्रेन को और अधिक तेजी से हथियार बनाने में मदद करना है ताकि कीव रूस के साथ तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता में अपनी स्थिति मजबूत कर सके। वेडफुल ने जर्मन रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ यूक्रेनी राजधानी कीव की यात्रा के दौरान कहा, हम मानते हैं कि हमारा काम यूक्रेन की मदद करना है ताकि वह अधिक मजबूती से बातचीत कर सके। अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास युद्ध को रोकने में विफल रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध विराम को अस्वीकार कर दिया है और युद्ध के अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटे हैं।

ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में काम करें युवा डॉक्टर : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया है जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है।

श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पहले दीक्षांत समारोह में कहा कि इस संस्थान और अन्य एम्स की स्थापना देश के हर कोने में उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के विकास में डॉक्टरों की अहम भूमिका होती है। डॉक्टर न सिर्फ बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि स्वस्थ समाज की नींव भी रखते हैं। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बन सकते हैं।

उन्होंने युवा डॉक्टरों से समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में अभी भी वंचित समुदायों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा डॉक्टर इस बारे में सोचेंगे और ऐसे इलाकों और लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन सहानुभूति के महत्व को समझना जरूरी है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे भावी डॉक्टरों को शुरू से ही ऐसा माहौल उपलब्ध कराएं जिसमें वे डॉक्टर-रोगी संवाद, उपचार में सहानुभूति की भूमिका और विश्वास निर्माण जैसे विषयों के साथ-साथ अपने कौशल के बारे में भी जानें तथा उन्हें अपनी कार्यशैली में अपनाएं। उन्होंने डॉक्टरों को सलाह दी कि वे अपने करियर और जीवन में इस बात को याद रखें कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि वे करुणा और ईमानदारी को अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि एम्स संस्थान भारत की चिकित्सा क्षमता के प्रतीक हैं और इनका नाम सुनते ही मन में विश्वस्तरीय उपचार,उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं, आधुनिक तकनीक और समर्पित डॉक्टरों की छवि उभरती हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में हर मरीज को उम्मीद की एक नई किरण दिखाई देती है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्ष 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सात जुलाई को रियो डि जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्ष 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे। मोदी दो जुलाई से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह घाना, नामीबिया और त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के विदेश सत्रों को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही उन्हें कुछ देशों द्वारा अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी अलंकृत किये जाने की संभावना है। विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दामू रवि ने कहा , प्रधानमंत्री 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 वर्षों के बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने अभी-अभी भारी जीत के बाद पदभार संभाला है। घाना के साथ भारत के संबंध ऐतिहासिक हैं। हमारे संबंधों के कई दशकों के दौरान, यह बहुआयामी रहा है। दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे।

सतत विकास के लिए निजी पूंजी जरूरी : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए निजी पूंजी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह एक जरूरत और महत्वपूर्ण अवसर दोनों है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, स्पेन के सेविला में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के 'लीडरशिप' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निजी निवेश से पूंजी का सही उपयोग होता है, उत्पादकता बढ़ती है, नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी के विकास और उसके सही उपयोग को बढ़ावा मिलता है। ये सभी समावेशी, सतत आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं।

वित्त मंत्री ने अस्थिर एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रवाह और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के दौर में कहा कि निजी पूंजी, विकास वित्त के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभरी है।

उन्होंने कहा, ''हाल के वर्षों में, हमने निजी निवेश में उत्साहजनक वृद्धि देखी है। इसे पारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ नये वित्तीय साधनों के आने से समर्थन मिला है। हालांकि, निजी पूंजी जुटाना अब भी आवश्यकता से काफी कम है। इसमें निम्न और मध्यम आय वाले देशों को बहुत ही छोटा हिस्सा मिल रहा है।''

सीतारमण ने कहा कि यह निवेश बाधाओं को दूर करने और विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वित्तीय प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए लक्षित प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को बताता है।

उन्होंने कहा, ''निजी पूंजी जुटाना केवल एक वित्तपोषण रणनीति नहीं है बल्कि यह विकास के लिए अनिवार्य है। समन्वित कार्रवाई, विचारशील विनियमन और साझा महत्वाकांक्षा के साथ, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि निजी निवेश समावेशी, टिकाऊ और मजबूत विकास के लिए एक ताकत बन जाए।''

उद्घाटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें आतंकवाद और पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों सहित अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा किए गए हमलों से हुई मानवीय क्षति को रेखांकित किया गया है। पाकिस्तान द्वारा मंगलवार को जुलाई माह के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करने से एक दिन पहले इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। 'आतंकवाद की मानवीय कीमत' शीर्षक वाली यह प्रदर्शनी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित की गई है, जिसमें विश्व भर में जघन्य आतंकवादी कृत्यों के विनाशकारी प्रभावों तथा आतंकवाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित किया गया है। यह प्रदर्शनी 30 जून से 11 जुलाई तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में दो स्थानों पर प्रदर्शित की जाएगी। पाकिस्तान से संचालित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) द्वारा किए गए 2006 के मुंबई आतंकवादी हमलों से लेकर हाल ही में पहलगाम आतंकवादी हमलों तक, प्रदर्शनी में दुनिया भर में किए गए असंख्य आतंकवादी हमलों को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही इन हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठनों के नाम और हमलों के पीड़ितों की राष्ट्रीयता का भी उल्लेख किया गया है। इस प्रदर्शनी को पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के अभियान के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

तेलंगाना में दवा उत्पादन संयंत्र में विस्फोट में 12 लोगों की मौत, 34 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संगारेड्डी (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा उत्पादन संयंत्र में सोमवार को हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग जख्मी हो गए। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने दी।

मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि जब विस्फोट हुआ तब संयंत्र में लगभग 90 लोग काम कर रहे थे। विस्फोट कथित तौर पर संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुआ, जिससे आग भी लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कुछ श्रमिक लगभग 100 मीटर दूर जाकर गिरे।

राज्य के श्रम मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ दुर्घटना स्थल का दौरा करने वाले नरसिम्हा ने संवाददाताओं को बताया कि तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद दुर्घटना का कारण पता चलेगा।

वेंकटस्वामी ने बताया कि 34 घायलों में से 12 की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि जलने के कारण इन पीड़ितों की श्वसन प्रणाली पर दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि शेष 22 लोग भी जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि वह जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करती है और मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि इकाई का बीमा हुआ था। कंपनी ने प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया। सिगाची इंडस्ट्रीज ने यह भी कहा कि प्रभावित उपकरणों और संरचनाओं को बहाल करने के लिए उसके हैदराबाद संयंत्र में उत्पादन लगभग 90 दिनों के लिए रोक दिया जाएगा।

आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विपक्ष लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, न कि कोई विरोधी।

जयपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। धनखड़ ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि वह (धनखड़) दबाव में हैं। धनखड़ ने कहा कि वह न तो किसी दबाव में काम करते हैं और न ही (किसी पर) दबाव डालते हैं।

जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में धनखड़ ने कहा कि आज राजनीतिक आदान-प्रदान की तीव्रता और लहजा देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक ताने-बाने के लिए हानिकारक है।

उन्होंने कहा, ''आज की राजनीति का माहौल और तापमान न तो हमारे लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है और न ही हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दुश्मन नहीं होते। सीमा पार दुश्मन हो सकते हैं, लेकिन देश के भीतर कोई दुश्मन नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने विधायी आचरण में अधिक शालीनता का आह्वान किया तथा आगाह किया कि सदन के अंदर जनप्रतिनिधियों के आचरण के चलते जनता में असंतोष पैदा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र के मंदिरों में जो कुछ हो रहा है, उसे देखना चिंताजनक है। यदि इन संस्थाओं की गरिमा से समझौता किया गया, तो लोग विकल्प तलाशेंगे।

उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पूर्व सांसद, विधायक सार्वजनिक संवाद की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक अधिकारियों की अक्सर आलोचना की जाती है, खासकर तब जब राज्य और केंद्र सरकारें अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबंधित हों। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे राज्य में राज्यपाल आसानी से निशाना बन जाते हैं। उन्होंने कहा, अब तो उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को भी नहीं छोड़ा जा रहा। मेरे विचार में यह उचित नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, न कि कोई विरोधी। उन्होंने खुले विचार और संवाद की वकालत की। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति लोकतंत्र की आत्मा है। लेकिन जब अभिव्यक्ति दमनकारी, असहिष्णु या विरोधी विचारों को खारिज करने वाली हो जाती है, तो वह अपना अर्थ खो देती है। रचनात्मक बहस जरूरी है। दूसरों की बात सुनने से अपने विचारों को मजबूती मिलती है।

ईरान कुछ ही महीनों में शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन : ग्रॉसी

वियना/भाषा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने ईरानी परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है मगर वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं और इसी वजह से ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ग्रॉसी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की परमाणु परियोजना को दशकों पीछे धकेल दिया गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि अमेरिकी हमलों में फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु ठिकानों के सेंट्रीफ्यूज को काफी नुकसान पहुँचने से ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्षों के लिए

रेलवे के यात्री किराये बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे के लंबी दूरी के यात्री किरायों में एक जुलाई से वृद्धि की गयी है। बड़े शहरों की उपनगरीय तथा मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे ने एक जुलाई से मेल-एक्सप्रेस गाड़ियों के अनारक्षित द्वितीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं गैर वातानुकूलित प्रथम श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा सभी प्रकार की वातानुकूलित श्रेणियों में दो पैसे प्रति किलोमीटर की एक समान वृद्धि की है।

सूत्रों के अनुसार साधारण पैसेंजर श्रेणी की ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी के टिकट की दरों में 500 किलोमीटर तक की दूरी की यात्रा के लिए कोई वृद्धि नहीं की गयी है, जबकि 501 किलोमीटर से 1500 किलोमीटर तक दूरी के टिकट पर पांच रुपये, 1501 से 2500 किलोमीटर के टिकट के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर तक किराये पर 15 रुपये बढ़ाये गये हैं। इन्हीं गाड़ियों के स्लीपर श्रेणी और प्रथम श्रेणी के किरायों में आधा पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाया गया है। उपनगरीय और मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

रेल मंत्रालय के वाणिज्यिक परिपत्र में कहा गया है कि तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दूरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, तेजस, महामना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, गैर उपनगरीय पैसेंजर गाड़ियों, अनुभूति कोच एवं विस्टाडोम कोच आदि के मूल किराये नई दरों के हिसाब से होंगे। आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट आदि शुल्क पूर्ववत रहेंगे और उनमें कोई वृद्धि नहीं की गयी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी पूर्ववत लागू रहेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले रेलवे के यात्री किरायों में वर्ष 2014 में वृद्धि की गयी थी। सभी श्रेणियों के यात्री किराये में 14.2 प्रतिशत और माल भाड़े में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की गयी थी, जो उस साल 25 जून से प्रभावी हो गयी थी। वर्ष 2019 में मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी में यात्रियों को प्रति किलोमीटर दो पैसे बढ़ाये गये थे।

01-07-2025 सूर्यास्त 6:49 बजे | 02-07-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
83,606.46	25,517.05
(-452.44)	(-120.75)

सोना	चांदी
10,014 रु.	109,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मृत्यु के बाद

कौन अमर हो कर आया है,
सबको ही इक दिन मरना है।
कैसे कहां मरेगा कोई,
इससे नहीं कभी डरना है।
किसने कैसे जीवन जीया,
उससे किसको क्या करना है।
किंतु मृत्यु के बाद सदा बस,
बहता दुख का ही झरना है।।

'परिवार की मस्तीशाला' में सिखाई गई परिवार में सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कला

ब्यावर संघ युवा शाखा व लेडीज विंग ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा एवं लेडीज विंग द्वारा एंकर नीलम ललवानी के मार्गदर्शन में पारिवारिक रिश्तों को संजोता हुआ कार्यक्रम 'परिवार की मस्तीशाला' का आयोजन किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत किया। प्रायोजक आनंदकुमार अरुणकुमार नाहर परिवार का सम्मान किया गया गया। ब्यावर संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी, कार्यक्रम की संयोजिका सीमा बोहरा, जिया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, संगीता पारख ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

कार्यक्रम में नीलम ललवानी ने अपने जीवन की स्वकथा को आधार बनाते हुए पारिवारिक रिश्तों का महत्त्व व आपसी मिठास को बनाए रखने के अनेक तरीके बताए। उन्होंने हंसी-खुशी व भावुक भाव से परिवार का ताना बाना बुनते हुए परिवार को मस्तीशाला बनाने पर जोर दिया। इस मौके पर युवा शाखा ने मरुधर केसरी जैन युवा मंडल द्वारा समाज में दी जा रही चिकित्सीय उपकरणों की सुविधा के लिए सदस्यों के सहयोग से सहायता राशि प्रदान की। सहायता राशि का चैक दिलीप जिया हिंगड़, नरेश रोहित बोहरा, प्रवीन प्राची कक्कड, वर्धमान श्रीश्रीमाल, अमित कोठारी, हेमन्त गुलेच्छा, अरुण नाहर, बहादुर कांकरिया के हाथों प्रदान किया गया। नीलम ललवानी का सम्मान किया गया। मंत्री कुलदीप छाजेड़ ने संचालन किया और सहमंत्री नरेश बोहरा ने धन्यवाद दिया।

महिंद्रा लाइफस्पेस ने बेंगलूरु में 199 करोड़ रुपये में करीब नौ एकड़ जमीन खरीदी

बेंगलूरु/मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड ने आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए बेंगलूरु में करीब 200 करोड़ रुपये में करीब नौ एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने श्रेयस स्टोन्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल) का अधिग्रहण किया है, जिसके पास बेंगलूरु में 8.%9 एकड़ जमीन है। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स ने सोमवार को बयान में कहा कि उसने एसएसपीएल के साथ शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एसएसपीएल के शेयरधारक अपनी पूरी हिस्सेदारी (शेयर का 100 प्रतिशत) बेचने पर सहमत हो गए हैं। इसके तहत कंपनी 199 करोड़ रुपये में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 10,000 शेयर हासिल करेगी। कंपनी ने कहा, इस अधिग्रहण से 1,100 करोड़ रुपये के अनुमानित सकल विकास मूल्य के साथ प्रीमियम विकास अवसर का द्वार खुलेगा।

कोल्हापुरी चप्पल बनाने वाले कारीगरों को दरकिनार नहीं किया जाना चाहिए : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इतालवी लक्जरी फैशन ब्रांड 'प्राडा' के कोल्हापुरी चप्पलों के डिजाइन की नकल किए जाने को लेकर विवाद पैदा होने के बाद कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि इन प्रसिद्ध चप्पलों को तैयार करने वाले राज्य के कारीगरों के नाम, उनकी कला और विरासत को मान्यता दी जानी चाहिए, न कि उन्हें दरकिनार किया जाना चाहिए। इतालवी ब्रांड पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्राडा कोल्हापुरी चप्पल 1.2 लाख रुपये प्रति जोड़ी की दर से बेच रहा है। खरगे ने रविवार को 'एक्स' पर कहा कि बहुत कम लोग जानते हैं कि इन प्रसिद्ध चप्पलों को बनाने वाले कारीगर बड़ी संख्या में कर्नाटक के अथानी, निप्पानी, चिक्कोडी, रायबाग और बेलगावी, बागलकोट तथा धारवाड़ के अन्य हिस्सों में रहते हैं।

उन्होंने कहा, ''वे पीढ़ियों से ये चप्पलें बनाते आ रहे हैं और इन्हें आसपास के शहरों में बेचते हैं, खासकर कोल्हापुर में, जो समय के साथ-साथ न केवल उसका मुख्य बाजार बन गया है बल्कि उसके ब्रांड के रूप में भी स्थापित हो गया है।'' खरगे ने कहा कि जब वे समाज कल्याण मंत्री थे, तो उन्होंने महाराष्ट्र को कोल्हापुरी चप्पलों के एकमात्र जीआई टैग के अधिकार के लिए दबाव डालते देखा था। उन्होंने कहा, ''चमड़े के उत्पाद बेचने वाली सरकारी संस्था डॉ. बाबू जगजीवन राम चमड़ा उद्योग विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से हमने इस मुद्दे को उठाया और यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ाई लड़ी कि कर्नाटक के कारीगर इसके श्रेय से वंचित न रह जाएं। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हम सफल हुए। जीआई टैग आखिरकार

कर्नाटक और महाराष्ट्र के चार-चार जिलों को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

यह कभी भी दो राज्यों के बीच की लड़ाई नहीं थी, बल्कि हमारी साझा विरासत को संरक्षित करने और हमारे कारीगरों को वह कानूनी मान्यता देने के बारे में थी जिसके वे हकदार हैं।'' मंत्री ने कहा कि यह प्राडा प्रकरण इस बात की याद दिलाता है कि केवल जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) की मान्यता ही पर्याप्त नहीं है। साथ ही उन्होंने सांस्कृतिक उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया।

प्रियांक खरगे ने कहा, ''हमें इन कारीगरों के लिए कौशल, ब्रांडिंग, डिजाइन नवाचार और वैश्विक बाजार तक पहुंच में निवेश करने की आवश्यकता है। वे केवल श्रेय के हकदार नहीं हैं, वे बेहतर मूल्य, व्यापक पहुंच और अपनी कला से स्थायी, सम्मानजनक आजीविका हासिल करने के हकदार हैं।'' उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय फैशन हाउस हमारे डिजाइन को अपनाते हैं तो, हमारे कलाकारों के नाम, काम और विरासत को भी प्रदर्शित करना चाहिए, न कि उन्हें दरकिनार करना चाहिए।

विनयमुनि खींचन ने गणेश बाग स्थानक में किया चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आषाढ शुक्ला पंचमी के दिन सोमवार को गुरुदेव चम्पालालजी के शिष्य विनयमुनिजी खींचन ने शिवाजीनगर स्थित गणेश बाग जैन स्थानक में दोपहर को सादगी से चातुर्मास प्रवेश किया। प्रवेश के मौके पर संघ के संपतराज मांडोत, सुदर्शन मांडोत, किशोर गादिया सहित अनेक संघ के सदस्य उपस्थित थे। चातुर्मास प्रवेश के बाद संघ ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए गुरु वंदना की। मुनिश्री ने प्रार्थना व सामूहिक नवकार मंत्र जाप करवाया। संघ के मंत्री संपतराज मांडोत ने सभी को धन्यवाद दिया।

कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक, कार्यकारी निदेशक ने दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीकृष्णन हरिहर शर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। कर्नाटक बैंक ने सोमवार को बयान में कहा, इसके अलावा कार्यकारी निदेशक (ईडी) शेखर राव ने मंगलूरु स्थानांतरित होने में असमर्थता और अन्य व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया है। शर्मा का इस्तीफा 15 जुलाई से प्रभावी होगा। बैंक ने कहा कि शर्मा ने निजी कारणों का हवाला दिया है, जिसमें मुंबई में स्थानांतरित होने का उनका निर्णय भी शामिल है।

बैंक के निदेशक मंडल के साथ उनके विवाद की खबरों के बीच ये इस्तीफे दिए गए हैं। बयान में कहा गया, उसने नए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यकारी निदेशक के पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान के लिए एक खोज समिति गठित की। इसने अनुभवी वरिष्ठ बैंकर को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है जो दो जुलाई, 2025 को पदभार ग्रहण करेंगे। इसके अलावा वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है जिसके लिए नियामकीय मंजूरी की जरूरत होगी। इस बीच, बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कर्नाटक बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत है। इसका पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 19.85 प्रतिशत से अधिक है।

कोई भी पार्टी अन्नाद्रमुक पर हावी नहीं हो सकती : ई. पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कल्लाकुरिचि। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपनी पार्टी के चुनावी गठबंधन का बचाव करते हुए 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने कहा कि कोई भी दल 30 वर्ष से अधिक समय तक तमिलनाडु पर शासन करने वाली उनकी पार्टी पर हावी नहीं हो सकता, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो। भाजपा के अन्नाद्रमुक पर हावी होने की अटकलों के बीच पार्टी की तीखी आलोचनाओं का जवाब देते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी 50 साल से ज्यादा पुरानी है, उसने तमिलनाडु पर करीब 31 साल तक शासन किया है और इतनी बड़ी पार्टी पर कोई हावी नहीं हो सकता। सत्तारूढ़ द्रमुक और विदुथालाई चिरुथैगल काची (वीसीके) समेत कई पार्टियों ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन की कड़ी आलोचना की है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बहुमत से सरकार बनाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक मजबूत गठबंधन बनाने का विश्वास जताते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन केवल पहला चरण है। भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए अन्नाद्रमुक की आलोचना करने के लिए पलानीस्वामी ने स्टालिन पर निशाना साधा और पूछा कि मुख्यमंत्री को इस बात की चिंता क्यों हो रही है?

अन्नाद्रमुक के प्रमुख ने कहा, ''स्टालिन घबरा गए हैं।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच गठबंधन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इस बात पर बल देते हुए कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद द्रमुक नेताओं के खिलाफ मामलों को फिर से शुरू किया जाएगा, पलानीस्वामी ने कहा, अब जो पलानीस्वामी आप देखने वाले हैं, वह पहले से अलग होगा।''

अन्नाद्रमुक के नेता ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार के दौरान पंजीकरण कार्यालयों सहित कई विभागों में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया, ''कोई भी जगह ऐसी नहीं है जहां भ्रष्टाचार न हो। कमीशन, वसूली, भ्रष्टाचार - ये सब सिर्फ द्रमुक सरकार में ही देखने को मिलता है।

रिसाइकल ड्राइव

बेंगलूरु में जैन स्कूल में 'रिसाइकल ड्राइव' अर्थात कचरा संग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल तथा अनुभूति संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में अभिभावक वर्ग और विद्यार्थियों को रिसाइकल ड्राइव के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जयनगर बीबीएमपी के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मधुसूदन, स्कूल की निदेशिका वीणा गौतमचन्द, प्राचार्य मंजुला कमलेश मंच पर उपस्थित थे। मुख्यअतिथि ने अपने प्रभावशाली व्यक्तव्य में सभी को प्रेरित किया। विद्यार्थियों द्वारा नृत्य व नुक्कड़ नाटक द्वारा कचरा संग्रहण के बारे में जागरूकता फैलाई गई। बच्चों के लिए प्रदर्शन और ब्रिकी के लिए प्राकृतिक बांस आदि से बनी वस्तुएं प्रदर्शित की गई जिसका पोषकों ने खरीदकर उत्साह बढ़ाया।

माहेश्वरी युवा संघ द्वारा 'नेक्स्टजेन माहेश्वरी सुपरस्टार' का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी युवा संघ द्वारा ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में रविवार को 'नेक्स्टजेन माहेश्वरी सुपरस्टार प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के करीब 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अतिथि के रूप में उपस्थित माहेश्वरी सभा के सचिव अजय राठी, महिला संगठन की उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, सचिव निर्मला कांकाणी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री ने कहा कि यह आयोजन समाज के युवाओं की छुपी प्रतिभा को पहचानने व प्रदर्शित करने का मंच है। सचिव कुशल जाजू ने बताया कि इस प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। एकल गायन(8-14) प्रतियोगिता में इशिका राठी, वेदांश लाहोटी, एकल गायन (14-22) श्रेया दरक, म्यूजिकल सोलो में दर्श मूंदड़ा, रैप सिंगिंग में मोहक नागोरी, सोलो (8-14)नृत्य प्रतियोगिता में धीर तापड़िया, हितिका जाजू, सोलो (14-22) में श्रद्धा सारड़ा, खुशी मुथा, सोलो डांस (22-40) में पूजा, मनीषा फलोड़, शास्त्रीय नृत्य में श्रुति माहेश्वरी, समूह डांस में रॉयल डांसर ग्रुप, काव्य पाठन में प्रतीक फलोड़, मिस्टर माहेश्वरी में चिराग जाजू व मिसेज माहेश्वरी में पूजा माहेश्वरी विजेता रहे। इस प्रतियोगिताओं के संयोजन में युवा संघ के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस सभी विजेताओं को जुलाई माह में प्रदेश स्तर पर कुडल संगम व अगस्त माह में हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मैसूरु 'जीतो' लेडीज विंग के 'बैटल ऑफ दि ब्रेन्स' ने मचाई धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जीतो लेडीज विंग द्वारा ज्ञान और मनोरंजन से भरपूर 'बैटल ऑफ दि ब्रेन्स, कौन बनेगा विजेता, खेलो जीत के साथ' कार्यक्र का आयोजन रविवार को गैलेक्सी कन्वेंशन हॉल में किया गया। इस प्रतियोगिता में शहर की 14 टीमों ने भाग लिया। जहां 10-10 सदस्यों की टीमों ने हाज़िरजवाबी, बुद्धिमत्ता और टीम भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया व अनेक गतिविधियों के हिस्सा बने। कार्यक्रम का संचालन एंकर व मिमिक्री कलाकार जीत झमतानी ने अपने अंदाज में किया। विजेता टीमों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना,रेखा बाफना, लेडीज विंग की चेयरपर्सन मोना भटेवरा, मुख्य सचिव रजनी डागलिया, संयोजिका मीनाक्षी कोठारी, सहसंयोजिका पूनम गुगलिया, मैसूरु जीतो चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

मैसूरु चैप्टर के उपाध्यक्ष भैरूलाल पितलिया, अमरचंद दक, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, सचिव प्रेम पालरेचा, रमेश नवलखा, सहकोषाध्यक्ष गौतम बाघमार, जीतो यूथ विंग के चेयरमैन सिद्धार्थ कटारिया, सचिव पुनीत जुगराज,अपेक्स संयोजक पुनीत श्रीश्रीमाल, मैसूरु केकेजी जोन संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया, लेडीज़ विंग की उपाध्यक्ष सरिता बाघमार, सपना गांधी, मुख्यसचिव रजनी डागलिया, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी, सहसचिव साधना जैन आदि उपस्थित थे।

सीएसआईआर-एसईआरसी का शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता

चेन्नई। सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने सीएसआईआर-एसईआरसी में शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया। एमओयू का आदान-प्रदान सीएसआईआर-एसईआरसी की निदेशक डॉ. एन. आनंदवल्ली, बीआईटीएस, पिलानी में पीएसडी की डीन प्रो. अन्नपूर्णा गोपाल, बीआईटीएस, पिलानी में कोर इंजीनियरिंग ग्रुप में डब्ल्यूआईएलपीडी विज्ञान संकाय की आर भारती, मुख्य वैज्ञानिक और सलाहकार (एम) डॉ. एस. परिवलाल, मुख्य वैज्ञानिक और बीकेएमडी के प्रमुख डॉ. के. सतीश कुमार, प्रमुख वैज्ञानिक और समन्वयक डॉ. मोहित वर्मा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एमबीअनूप, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. (इंजी.) सप्तर्षि सस्मल, मुख्य वैज्ञानिक और डॉ. एस. विष्णु वर्धन, वरिष्ठ प्रमुख वैज्ञानिक की उपस्थिति में किया गया।

न्यायालय ने विधायक एम. जगन मूर्ति को अपहरण मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने विधायक एम. जगन मूर्ति को सोमवार को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान कर दिया, जिन्होंने एक लड़के के अपहरण के कथित मामले में अपनी गिरफ्तारी की आशंका जतायी थी। मूर्ति को पूवई जगन मूर्ति के नाम से भी जाना जाता है। वह पुरात्ची भारतम पार्टी के अध्यक्ष हैं, जो तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सहयोगी पार्टी है। मूर्ति के वी कुप्पम विधानसभा सीट से विधायक हैं।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने विधायक द्वारा दायर अपील पर तमिलनाडु पुलिस को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता को पुलिस थाने - थिरुवलंगडु में दर्ज प्राथमिकी के

संबंध में गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर रिहा किया जाएगा, बशर्ते वह यह वचन दें कि वह जांच में सहयोग करेंगे और गवाहों को धमकी नहीं देंगे या सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे।

शीर्ष अदालत मूर्ति द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय के 27 जून के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। उन्होंने दावा किया कि सह-आरोपी के इकबालिया बयान के आधार पर उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है, जबकि उनके खिलाफ कथित अपराध से जुड़े कोई प्रत्यक्ष या पुष्ट सबूत नहीं हैं। मूर्ति ने दलील दी कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है और इसका इरादा उनकी छवि खराब करना है।

उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि उनके खिलाफ कार्यवाही में आगे बढ़ने के लिए प्राथमिक सामग्री मौजूद है। अपहृत लड़के के बड़े भाई ने अपनी जाति से बाहर थेनी जिले की एक युवती से विवाह किया था और यह विवाह कथित तौर पर युवती के परिवार की इच्छा के विरुद्ध था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता (मां) के बड़े बेटे को सोशल मीडिया के माध्यम से हुई जान-पहचान के कारण थेनी जिले की एक युवती से प्यार हो गया और 15 अप्रैल को दोनों ने शादी कर ली।

कावेरी बेसिन के लिए 2 हजार करोड़ का अनुदान : डीके शिवकुमार

कावेरी आरती का विरोध न करें, सहयोग करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, कावेरी बेसिन को 2 हजार करोड़ से अधिक का अनुदान दिया गया है। हर क्षेत्र को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। अकेले मांड्या जिले के लिए 1 हजार करोड़ से अधिक का अनुदान स्वीकृत किया गया है। केआरएस बांध को बघीना समर्पित करने के बाद आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने बात की। प्रसिद्ध केआरएस बांध को 92 साल के इतिहास में पहली बार जून में ही लबालब भर गया है।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल में कावेरी जलग्रहण क्षेत्र को बढ़ाया है। 80 साल पुरानी नहरों की मरम्मत की गई है। 9 टीएमसी पानी तमिलनाडु को जाना था, लेकिन भारी बारिश के कारण 30 टीएमसी से अधिक पानी छोड़ा गया है। पिछले साल भी 177 टीएमसी के अलावा 305 टीएमसी पानी छोड़ा गया था। 2022-23 में 400 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है। अगर आप आंकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे कि हर तीन साल में पानी का प्रवाह कम होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सभी कावेरी आरती में सहयोग करें, विरोध न करें मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि आप कावेरी आरती का विरोध करने वालों के साथ भक्ति और विनम्रता से सहयोग करें। विरोध न करें क्योंकि आपको सहयोग करना है। मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि आप सहयोग करें। पानी की कोई जाति या धर्म नहीं होता। पानी की पूजा करना हमारी संस्कृति है। उन्होंने कहा कि हम अपने प्रयासों में विफल हो सकते हैं, लेकिन हम अपनी प्रार्थनाओं में विफल नहीं होंगे। हमारी सरकार इस राज्य के किसानों के विकास के लिए कई अनुदान दे रही है। हमारी सरकार किसानों को मुफ्त बिजली के लिए 19,700 करोड़ रुपये दे रही है।

हमने बांध से आधा किलोमीटर दूर कावेरी आरती के लिए एक जगह आवंटित की है। क्या हमें भगवान से प्रार्थना करने के लिए आवेदन करने की आवश्यकता है? क्या हमें किसी से अनुमति लेने की आवश्यकता है? बेंगलूरु में जल बोर्ड द्वारा आयोजित कावेरी आरती में 25,000 लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अगर यहां कावेरी आरती आयोजित की जाती है, तो मंड्या और मैसूर के 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। अगर वृंदावन पार्क विकसित किया जाता है, तो 3,000 स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

उन्होंने कहा, मंदिर एक ऐसी जगह है, जहां भक्तों और भगवान के लिए व्यापार होता है। यहां लोगों के बैठने के लिए जगह बनाई जा रही है। आप घर पर हर दिन भगवान की पूजा क्यों करते हैं? भगवान के न होने पर भी आप सूर्य को क्यों प्रणाम करते हैं? मेरे शब्द सीधे और बोल्ड हो सकते हैं, लेकिन किसी को भी अलग-थलग महसूस नहीं होना चाहिए। हमारा लक्ष्य वृंदावन गार्डन को सबसे आकर्षक बनाना है। मैसूरु दशहरा की तरह बेहतरीन लाइटें सजाई गई हैं। बेहतरीन फव्वारे लाए गए हैं। विदेशों से सजावटी पौधे मंगवाए गए हैं। हमारे मुख्यमंत्री ने इसे सबसे बेहतरीन पर्यटन केंद्र बनाने का फैसला किया है। हमने इसमें निवेश करने के लिए निजी निवेशकों को आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा, हमने राज्य में बांधों के गेटों की मरम्मत के लिए पहले ही एक तकनीकी समिति बनाई है। हमने उस समिति से रिपोर्ट लेने के बाद चरणबद्ध तरीके से राज्य में बांधों के गेटों की मरम्मत करने का प्रस्ताव रखा है। एक बार महाराष्ट्र ने कृष्णा ट्रिब्यूनल अवॉर्ड में बाधा डाली थी। अब आंध्र प्रदेश ने इसे स्थगित कर दिया है। उन्होंने कहा, बजट पेश हुए एक महीना हो गया है और अगर आप धैर्य रखेंगे तो अनुदान मिलेगा। हम वादे तोड़ने वाले नहीं हैं। वित्तीय अनुशासन के लिए वित्त विभाग चरणों में धन जारी करता है। उन्होंने कहा कि येडीयुरप्पा, कुमारस्वामी और बोम्मई के दौर में बजट से ज़्यादा काम स्वीकृत किए गए। इसके लिए ठेकेदारों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए। मीडिया को उन लोगों से सवाल करना चाहिए जो हमारी आलोचना करते हैं। उन्हें पूछना चाहिए कि उनका मंड्या, मैसूरु और बेंगलूरु क्षेत्रों में क्या योगदान है।

कचरा ट्रक में महिला का शव मिलने के बाद हत्या के आरोप में उसका पुरुष साथी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में कचरा ढोने वाले ट्रक से 40 वर्षीय महिला का शव मिलने के एक दिन बाद सोमवार को उसके पुरुष साथी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोप है कि महिला के साथी ने झगड़े के दौरान उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि रविवार को स्थानीय लोगों ने शव देखने के बाद इसकी सूचना चेन्नम्मानकेरे अचुकट्टू थाने के अधिकारियों को दी।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान इसी इलाके की निवासी आशा के रूप में हुई है, जो असम निवासी 33 वर्षीय व्यक्ति के साथ रह रही थी और दोनों एक निजी कंपनी में 'हाउसकीपिंग स्टाफ' के तौर पर काम करते थे। उनके अनुसार, इन दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताकर इस इलाके में एक मकान किराये पर लिया था, हालांकि इसे कानूनी तौर पर सत्यापित नहीं किया गया।

पुलिस ने बताया कि आशा शनिवार रात नशे की हालत में घर लौटी, जिसके बाद उसका अपने साथी से झगड़ा हुआ और उनके बीच कथित तौर पर मारपीट हुई और दम घुटने के कारण महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद व्यक्ति ने महिला के शव को बांधकर एक बोरे में भर दिया और रविवार सुबह होने से पहले ही उसे कचरा ढोने वाले एक ट्रक में फेंक दिया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश बी. जगलासर ने बताया, ''आशा और यह व्यक्ति एक साल से अधिक समय से साथ रह रहे थे। घटना वाली रात शराब के नशे में शुरू हुई बहस मारपीट में बदल गई, जिस दौरान कथित तौर पर दम घुट जाने के कारण महिला की मौत हो गई।'' स्थानीय लोगों की शिकायत के आधार पर चेन्नम्मानकेरे अचुकट्टू थाने में हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के बाद व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, आशा विधवा थी और वह जिस व्यक्ति के साथ रह रही थी उसका पहले तलाक हो चुका है। आशा और व्यक्ति का अपनी पिछली शादियों से एक-एक बच्चा भी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और फिलहाल इसने आरोपी का नाम उजागर नहीं किया है।

पंजीकरण

सोमवार को मद्दुर में मद्दुर उपपंजीयक कार्यालय में मद्दुर में कांग्रेस कार्यालय के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि का पंजीकरण करवाते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं। इस मौके पर विधायक उदय कुडालूर, एमएलसी दिनेश गूलीगौड़ा और केपीसीसी कोषाध्यक्ष विनय कार्तिक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री बदलने संबंधी टिप्पणियां निजी राय, 'लक्ष्मण रेखा' नहीं लांघनी चाहिए : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा राज्य में मुख्यमंत्री बदलने के संकेत देने वाले बयानों को सोमवार को निजी राय करार दिया और कहा कि किसी को भी पार्टी द्वारा खींची गई 'लक्ष्मण रेखा' नहीं लांघनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए वह पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसके कारण इस वर्ष के अंत में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जाने लगीं। कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने दावा किया है कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों के अंदर राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। वहीं, सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने सितंबर के बाद राज्य में ''क्रांतिकारी'' राजनीतिक घटनाक्रम का हाल में संकेत दिया था।

नेतृत्व परिवर्तन पर पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछने पर परमेश्वर ने कहा, ''व्यक्तिगत रूप से, उन लोगों ने अपनी राय व्यक्त की है, कुछ हद तक मुझे नहीं लगता कि यह गलत है, लेकिन फिर भी पार्टी ने एक लक्ष्मण रेखा खींची है, जिसके आगे किसी को नहीं जाना चाहिए। कांग्रेस संभवत: प्रभारी महासचिव के माध्यम से इस पर विचार करेगी।''

पिछले कुछ समय से राजनीतिक हलकों में, खास तौर पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर, इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझेदारी समझौते (जो सार्वजनिक नहीं किया गया था) का हवाला दिया गया है। लेकिन, पार्टी आलाकमान के सख्त निर्देशों के बाद कुछ समय के लिए ऐसी चर्चाएं थम गई थीं।

इस पर एक सवाल पर गृह मंत्री ने कहा, सुरजेवाला जी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के हमारे प्रभारी महासचिव हैं, वह विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए कर्नाटक का दौरा करते रहते हैं।

जरूरी नहीं कि वे सरकार के मुद्दे ही हों। राजनीतिक रूप से, पार्टी को मजबूत करने, पार्टी कार्यक्रमों को लेकर, और स्वाभाविक रूप से अगर पार्टी या सरकार में कोई गड़बड़ी होती है, तो एक प्रभारी महासचिव के रूप में वह हमारा मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि साथ ही पिछले कुछ सप्ताहों में कुछ विधायकों ने टिप्पणियां की हैं और वह उन पर भी विचार करेंगे। परमेश्वर कांग्रेस के भीतर असंतोष का जिक्र कर रहे थे, जहां कुछ विधायक अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज के खिलाफ खुलेआम टिप्पणियां कर रहे हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पांच साल तक चट्टान की तरह मजबूत रहेगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार पांच वर्षों तक चट्टान की तरह मजबूत बनी रहेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच संबंध अच्छे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की भी आलोचना की, जिन्होंने दावा किया था कि सिद्दरामय्या इस वर्ष विश्व प्रसिद्ध मैसूरु के दशहरा समारोह का उद्घाटन नहीं करेंगे। सिद्दरामय्या ने पलटवार करते हुए भाजपा नेताओं को झूठ बोलने में विशेषज्ञ करार दिया।

सिद्दरामय्या की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब राज्य में इस वर्ष के उत्तरार्द्ध में नेतृत्व परिवर्तन होने को लेकर अटकलें एक बार फिर से तेज हो गई हैं। सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, यह सरकार पांच साल तक 'बंडे' (चट्टान) की तरह मजबूत रहेगी। इस दौरान उनके साथ शिवकुमार भी थे, जिन्हें उनके समर्थक अक्सर 'बंडे' कहते हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके और शिवकुमार के बीच अच्छे संबंध हैं, तो सिद्दरामय्या ने जवाब दिया, हमारे संबंध अच्छे हैं। इसके बाद उन्होंने शिवकुमार का हाथ पकड़कर ऊपर उठाया और एकता का प्रदर्शन किया। दोनों नेताओं के बीच दरार पैदा करने की कोशिशों के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने कहा, हम दूसरों की बातों पर ध्यान नहीं देते। शिवकुमार ने भी सिर हिलाकर इससे सहमति जताई।

जब उनसे भाजपा नेताओं के उस दावे के बारे में पूछा गया कि वह इस साल विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री के रूप में नहीं करेंगे, तो सिद्दरामय्या ने यह सवाल मीडिया पर ही पलट दिया। जब संवाददाताओं ने कहा कि उन्हें लगता है, वह उद्घाटन करेंगे, इसपर सिद्दरामय्या ने कहा, तो ठीक है। सिद्दरामय्या ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा नेता झूठ बोलने में माहिर हैं। यह दावा करने वाले श्रीरामुलु कितनी बार हार चुके हैं? वह लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव हार चुके हैं। जो खुद लगातार हार रहा हो, वह भविष्यवाणी कैसे कर सकता है?

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तब और बढ़ गईं, जब कांग्रेस विधायक एच.ए. इकबाल हुसैन ने दावा किया कि शिवकुमार को दो-तीन महीनों में मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। वहीं, सहकारिता मंत्री के. एन. राजन्ना ने सितंबर के बाद राज्य में क्रांतिकारी राजनीतिक घटनाक्रम की ओर इशारा किया। पिछले कुछ समय से राजनीतिक हलकों में, खास तौर पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर, इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझेदारी समझौते (जो सार्वजनिक नहीं किया गया था) का हवाला दिया गया है। लेकिन, पार्टी आलाकमान के सख्त निर्देशों के बाद कुछ समय के लिए ऐसी चर्चाएं थम गई थीं।

इस बीच, कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला राज्य का दौरा कर रहे हैं और वह पार्टी विधायकों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। सुरजेवाला के दौरे के विषय में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने कहा, वह कांग्रेस के प्रभारी महासचिव हैं। वह विधायकों की राय लेंगे, उनकी चिंताओं को सुनेंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए क्या किया जाना चाहिए, इस पर चर्चा करेंगे। वह अपना काम करेंगे।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में कुनिगल के नजदीक बाईपास पर एक कार के मिनी ट्रक की चपेट में आने से कार में सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में 13 साल का एक लड़का भी शामिल था। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सीबे गौड़ा (50), उनकी पत्नी शोभा (45), बेटी दुंबीश्री (23) और बेटा भानुकिरण (13) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रविवार रात को लगभग आठ बजे हुई जब परिवार आठवीं के छात्र भानुकिरण को कुनिगल के बाहरी इलाके में स्थित बिदानगरे के पास उसके छात्रावास छोड़ने के लिए जा रहा था।

गौड़ा मागड़ी शहर में अपने परिवार के साथ रहते थे। गौड़ा और उनका परिवार रात के खाने के बाद भानुकिरण को स्कूल के उसके छात्रावास छोड़ने के लिए जा रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रास्ते में जब वे कुनिगल बाईपास पर पहुंचे तो गलत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि कार की रफ्तार भी तेज थी और टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सभी चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि मिनी ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री बदलने जैसे मामलों पर आलाकमान फैसला करेगा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने की संभावना को लेकर की जा रही चर्चा के बीच सोमवार को कहा कि ऐसे मामलों पर फैसला पार्टी आलाकमान करेगा और किसी को भी अनावश्यक समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। खरगे राज्य में कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा अक्टूबर में मुख्यमंत्री बदले जाने के संबंध में किये गए दावे पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''देखिए, यह आलाकमान के हाथ में है। यहां कोई नहीं कह सकता कि आलाकमान के मन में क्या चल रहा है। यह आलाकमान पर छोड़ दिया गया है और आगे कोई भी फैसला लेने का अधिकार उसी के पास है। लेकिन अनावश्यक रूप से किसी को समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए।'' वर्ष 2023 में जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी थी, तो ऐसी अटकलें थीं कि सिद्दरामय्या और डीके शिवकुमार ढाई-ढाई साल के लिए राज्य का नेतृत्व करेंगे। हालांकि, ऐसे दावों (बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाए जाने) की पार्टी ने न तो पुष्टि की है और न ही इसे खारिज किया है। वर्तमान में सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री हैं और शिवकुमार उप मुख्यमंत्री हैं। इस बीच, कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां पार्टी विधायकों से मुलाकात की। उनके दौरे को लेकर खरगे ने कहा, ''सुरजेवाला आए हैं। उनकी रिपोर्ट और फीडबैक के आधार पर हम तय करेंगे कि क्या कदम उठाना है।'' खरगे को एक्सीडेंटल कांग्रेस ''अध्यक्ष'' बताते हुए कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सवाल किया, ''अगर खरगे पार्टी आलाकमान नहीं हैं, तो कौन हैं?''

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने हमें एक और एक्सीडेंटल' नेता उपहार में दिया है। सबसे पहले, वह प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिनके पास कुर्सी थी लेकिन कमान नहीं थी, जिनके पास जिम्मेदारी थी, लेकिन शक्ति नहीं थी। अब यह मल्लिकार्जुन खरगे 'एक्सीडेंटल एआईसीसी अध्यक्ष' हैं, जो गर्व से स्वीकार करते हैं कि उन्हें नहीं पता कि 'आलाकमान' क्या सोच रहा है।''

'असंतोष' और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सुरजेवाला ने कर्नाटक कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्य में सत्तारूढ़ दल के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की ''अटकलों और असंतोष'' के संकेतों के बीच यहां पार्टी विधायकों के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं। बैठकों को हालांकि कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश इकाई द्वारा की गई संगठनात्मक कवायद करार देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में मीडिया में प्रसारित कोई भी खबर केवल 'कल्पना की उपज' है। उन्होंने कहा, यह आत्ममंथन और राज्य के विकास के लिए एक सतत अभ्यास है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। यह एक महीने या डेढ़ महीने की अवधि में होगा, जिसके दौरान मेरी मंत्रियों, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से पहले पार्टी विधायकों, सांसदों, पराजित उम्मीदवारों, जिला कांग्रेस कमेटी प्रमुखों के साथ बैठक होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अपने तीन दिवसीय दौरे के पहले चरण के तहत सुरजेवाला ने सोमवार को चिक्कबल्लापुरा और कोलार जिलों के विधायकों के साथ एक-एक कर बैठकें कीं। सूत्रों ने बताया कि उनसे उनकी शिकायतें सुनने और सरकार के कामकाज पर फीडबैक लेने की उम्मीद है। ये बैठकें इसलिए महत्वपूर्ण हो गई हैं क्योंकि कुछ विधायकों ने हाल में सरकार के कामकाज पर असंतोष जताया है। ये बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना की टिप्पणी के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर से शुरू हो गई हैं। राजन्ना ने सितंबर के बाद 'क्रांतिकारी' राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत दिया था। पार्टी हलकों में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदले जाने की भी चर्चा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद फिलहाल उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के पास है। पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि वह सभी कांग्रेस विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मिल रहे हैं ताकि उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में पांच गारंटी योजनाओं की स्थिति को समझा जा सके क्योंकि सरकार ने अपने दो साल पूरे कर लिए हैं।

सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जो 58,000 करोड़ रुपये सीधे लोगों के बैंक खातों में पहुंचाता है। उन्होंने कहा, ''हम अपने विधायकों से जानना चाहते हैं कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस की गारंटियों की क्या स्थिति है, क्या कोई सुधार की जरूरत है तथा क्या और अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाई जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि विधायकों से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि उनके विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन की क्या स्थिति है। उन्होंने कहा कि प्रखंड कांग्रेस समिति, विधानसभा कांग्रेस समिति, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, सेवादल, एससी/एसटी अल्पसंख्यक और ओबीसी विभागों के कामकाज का विश्लेषण किया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी समीक्षा और पुनर्गठन किया जा सके।

महासचिव ने कहा कि पार्टी यह समझने की कोशिश कर रही है कि हर विधायक ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास के लिए कितना काम किया है और आगे क्या विकास कार्य लंबित हैं। उन्होंने कहा, ''यदि आवश्यक हुआ तो हम अपने मंत्रियों और मुख्यमंत्री को बताएंगे कि क्या काम किए जाने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''हम विधायकों से यह भी समझना चाहते हैं कि सरकार का क्या रुख होना चाहिए तथा सरकार और क्या काम कर सकती है जो लोगों के अनुकूल हों।'' सुरजेवाला ने कहा कि उन्होंने इस बार दो संभागों के विधायकों को बुलाया है और अगले सप्ताह वह शेष विधायकों से मिलने के लिए फिर आएंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह सभी पराजित उम्मीदवारों (विधायकों, एमएलसी और लोकसभा चुनाव) को बुलाएंगे और डीसीसी अध्यक्ष से भी चर्चा करेंगे।

संविधान का एक शब्द भी छुआ गया तो हम पूरी ताकत से लड़ेंगे : खरगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि अगर संविधान में किसी एक शब्द को भी छुआ गया तो इसके खिलाफ उनकी पार्टी पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने संबंधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के आह्वान पर यह टिप्पणी की। बेंगलूरु में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने दावा किया कि होसबाले ''मनुस्मृति'' को मानने वाले व्यक्ति हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''वह नहीं चाहते कि गरीब वर्ग के लोग आगे आएं। जो हजारों साल पहले होता था, वह उसी व्यवस्था को जारी रखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पसंद नहीं है।'' खरगे के मुताबिक, 'ये सिर्फ होसबाले का मत नहीं है, बल्कि आरएसएस का मत है।' उन्होंने आरोप लगाया, ''आरएसएस हमेशा गरीब लोगों, दलितों और अनुसूचित जाति और अन्य समुदायों के खिलाफ है। यदि उन्हें इतनी ही रुचि है, तो वे अस्पृश्यता को हटा सकते थे। उनका दावा है कि वे हिंदू धर्म के चैंपियन हैं। यदि वे ऐसे हैं, तो उन्हें अस्पृश्यता को खत्म कर देना चाहिए।'' राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि आरएसएस को अपने सभी स्वयंसेवकों को यह सुनिश्चित करने के लिए तैनात करना चाहिए कि अस्पृश्यता दूर हो और देश को एकजुट रखा जाए।

राजस्थान का पानी पीने वाला किसी के दबाव में काम नहीं करता : जगदीप धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के दबाव में काम करने के आरोपों पर कहा कि राजस्थान का पानी पीने वालाकिसी के दबाव में काम नहीं कर सकता है। धनखड़ सोमवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच पूर्व विधायक संघ के स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। समारोह में धनखड़ सहित राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का भी सम्मान किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि राज्यपाल बागड़े की बातों में सटीकता है। राज्यपाल जब प्रान्त में होता है तो सब कुछ आसान नहीं होता। अब तो उपराष्ट्रपति भी इस दायरे में लाए जाते हैं। मैं किसी के दबाव में नहीं आता हूं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी दबाव में नहीं आ सकते। राजस्थान का पानी पीने वाला व्यक्ति कभी दबाव में आ ही नहीं सकता।

राजस्थान से बलराम जाखड़ के बाद ओम बिड़ला ऐसे दूसरे अध्यक्ष हैं, जिनको लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने का मौका मिला है। प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है। अभिव्यक्ति, वाद विवाद हो, लेकिन अभिव्यक्ति कुंठित हो जाती है तो वातावरण दूषित होता है। अभिव्यक्ति की पहल सार्थक होनी चाहिए। पूर्व विधायकों की मांगों को लेकर धनखड़ ने कहा कि 26 साल पहले बनी आचार समिति में इसके लिए नियम बने थे। जनसेवा से जुड़े रहने के कारण इनको सम्मान मिलना चाहिए। राजनीतिक वातावरण को लेकर कहा कि आज प्रजातंत्र के लिए चिंता और चिंतन का विषय है। भैरोसिंह शेखावत का कोई दुश्मन नहीं मिलेगा, क्योंकि हरिदेव जोशी और शेखावत जैसे नेता क्रोध की राजनीति की सीख नहीं देते थे। नेता इधर उधर पार्टियां बदलते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि दुश्मनी हो जाये। आज राजनीति का तापमान बढ़ रहा है। हमारी 5 हजार साल की संस्कृति बेजोड़ है। आज विधानमण्डलों को सर्वश्रेष्ठ आचरण का पालन करना होगा। उम्मीद है कि हम सब इस ओर ध्यान देंगे। धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि हमारी मिसाइलों ने सटीक निशाना लगाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, जबकि आतंकियों के साथ वंहा की सरकार भी खड़ी थी। आज विश्व में लोगों को कितना पीड़ित होना पड़ रहा है। इजराइल-ईरान,यूक्रेन रसिया जैसे युद्ध चल रहे हैं, लेकिन गांधी के देश की कूटनीति अलग ही पहचान रखती है। युद्ध से अर्थव्यवस्था को चोट लगती है। हर कालखंड में व्यवस्थाएं बदलती हैं। आज भारत दुनिया की 4 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले 10 साल में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था में रफ्तार वाला देश बना है। यह हमारे लिए बड़ी छलांग है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि मैं भी पूर्व विधायक हूं। मज़ाकिया अंदाज में पूर्व विधायकों ने अपनी पेंशन को 35 हजार से बढ़ाकर 45 हजार करने की मांग की है। शायद राज्य सरकार केखजाने के बारे में सोचकर कम पैसे बढ़ाने के लिए मांग रखी है। अखबारों में खबरें छप रही हैं कि सीएम और राज्यपाल दबाव में काम कर रहे हैं। ऐसा कुछ नहीं है, हम तो केवल संविधान के दबाव में है। किसी के दबाव में आकर हम काम नहीं करेंगे। दबाव की बात करें तो पीओके लार्ड माउंट बेटन के दबाव में बना, जिसकी टीस हमको आज तक है। धारा 356 को लेकर भी राज्यपाल पर दबाव होने की बातें की जाती हैं। देश में 51 बार 356 का प्रयोग हुआ है। संविधान के प्रस्ताव में कभी बदलाव नहीं होता, लेकिन एक बार किया गया। बागड़े ने शिक्षा पर फोकस करने का आग्रह करते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों सहित सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ें तो राष्ट्र का विकास होगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधायकी का पद जनहित करने का एक अनुबंध है। हमारी जवाबदेही सिर्फ विधानसभा तक ही सीमित नहीं है। आज राजनीति विचारधारा की जगह आक्षेपों पर चल पड़ी है। इस दूषित राजनीति पर हम सबको ध्यान देना होगा। राजस्थान में विधानसभा के 15 सत्र में कई बार चुनौतियां मिली है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पूर्व विधायकों का अपने आप में एक अनुभव है। राजनीति में उगते को सलाम है मगर छिपते को कोई नहीं पूछता। पूर्व विधायकों का लोकतंत्र में बड़ा योगदान रहा है। आज सत्तापक्ष और विपक्ष के लोगों में लोकतांत्रिक मूल्यों की कमी सामने आ रही है। आज मंहगाई को देखते हुए पूर्व विधायकों की मांगों का समर्थन करता हूं। राजस्थान विधानसभा में जिम्मेदारों को इनकी मांगों पर विचार होना चाहिए। राजस्थान प्रगतिशील मंच के सरंक्षक विधायक हरिमोहन शर्मा ने मंच की मांगें रखते हुए कहा कि पूर्व विधायकों को प्रशासन कार्यक्रमों में नहीं बुलाते। पूर्व विधायकों के लिए केंद्र सरकार की गाइड लाइन की राज्य सरकारों को पालन करना चाहिए, ताकि पूर्व विधायकों को सम्मान मिल सके।

गुर्जरों की मांगों पर सरकार गंभीर, तीन सदस्यीय मंत्रिमंडल सब कमेटी का किया गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में गुर्जर आरक्षण आंदोलन को लेकर चली आ रही लंबे समय की मांगों पर विचार-विमर्श करने और उनके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। रविवार को मंत्रिमंडल सचिवालय ने एक तीन सदस्यीय मंत्रिमंडलीय सब कमेटी के गठन के आदेश जारी किए हैं, जो गुर्जर समुदाय की विभिन्न मांगों पर विचार करेगी। इस नवगठित समिति में विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम को शामिल किया गया है। इस समिति का गठन राज्य सरकार की ओर से गुर्जर समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने और उनकी चिंताओं का स्थायी समाधान खोजने की दिशा में एक गंभीर प्रयास माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि गुर्जर समुदाय द्वारा आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में लगभग दो दशकों से आंदोलन किया जा रहा है। यह आंदोलन मुख्य रूप से गुर्जरों को अन्य पिछड़ा वर्ग (जइउ) से हटाकर अनुसूचित जनजाति (ड्ढ) श्रेणी में शामिल करने या सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 5% अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण देने की मांग पर केंद्रित रहा है।

इस आंदोलन के अगुआ रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला (दिवंगत) और अब विजय बैंसला जैसे नेताओं के नेतृत्व में 2006, 2007-08, 2010, 2015 सहित कई बार बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कई अवसरों पर इन आंदोलनों ने उग्र रूप धारण कर लिया था, जिसमें सड़क और रेलमार्गों को अवरुद्ध किया गया था, और दुर्भाग्यवश हिंसा भी देखने को मिली थी, जिसके कारण कई लोगों की जान भी गई। पिछली सरकारों ने भी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए प्रयास किए थे, जिसमें 5% एसबीसी/एमबीसी आरक्षण के विधेयक पारित करना भी शामिल था, हालांकि कानूनी चुनौतियों के कारण वे अक्सर कोर्ट में खारिज हो गए। हाल ही में जून 2025 में भी, लंबित मांगों को लेकर समुदाय ने महापंचायतों का आयोजन कर सरकार पर दबाव बनाया था।

वर्तमान में गठित यह तीन सदस्यीय मंत्रिमंडलीय सब कमेटी इसी पृष्ठभूमि में कार्य करेगी। समिति का मुख्य उद्देश्य गुर्जर समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करना, उनकी मांगों का गहन विश्लेषण करना और कानूनी तथा सामाजिक पहलुओं पर विचार करते हुए एक व्यवहार्य समाधान का प्रस्ताव तैयार करना है, जिसे राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। इस कदम से उम्मीद है कि गुर्जर आरक्षण आंदोलन से जुड़े लंबित मुद्दों पर एक ठोस और स्थायी समाधान की राह खुलेगी, जिससे राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने में मदद मिलेगी।

राजस्थान बनेगा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक राज्य : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने सोमवार को बांरा कलेक्ट्रेट परिसर में विद्युत आपूर्ति को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में विधायक राधेश्याम बैरवा एवं विधायक डॉ ललित मीणा ने जिले में विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और किसानों को कृषि कार्यों के लिए प्राथमिकता के आधार पर विद्युत कनेक्शन दिए जाएं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली से संबंधित शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जिन आवेदकों ने डिमांड नोटिस की राशि जमा कर दी है, उन्हें शीघ्रता से कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। पेयजल आपूर्ति के समय बिजली बाधित न हो, इसके लिए भी आवश्यक प्रबंध किए जाएं।

नागर ने ट्रांसफॉर्मर जलने की स्थिति में उन्हें तय समय सीमा में बदलने के निर्देश दिए। साथ ही आरडीएसएस, कुसुम योजना और पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में विद्युत समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने को कहा।

नागर ने एक ही स्थान पर लंबे समय से कार्यरत तकनीकी हेल्पर्स के स्थानांतरण के भी निर्देश दिए और कहा कि इससे कार्य निष्पादन में पारदर्शिता व प्रभावशीलता आएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायत का समाधान करना तथा तकनीकी खामियों को तुरंत दूर करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य में 125 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा से बिजली सक्षमता का उत्पादन किया जाए, जिससे राजस्थान देश का सबसे अधिक बिजली उत्पादक राज्य बन सके। साथ ही सौर ऊर्जा को बैटरी में स्टोरेज कर दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2027 तक किसानों को कृषि सिंचाई के लिए दिन में विद्युत आपूर्ति दी जाएगी।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सरकार ने कम समय में ही बारां जिले में 26 नए जीएसएस स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग द्वारा हर क्षेत्र में योजनाओं को गति दी जा रही हैं जिससे प्रदेश के नागरिकों को सुगम और सुलभ विद्युत सेवाएं मिल सकें। बैठक में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेहंदीपुर बालाजी में श्रद्धालुओं पर बाउंसरों का कहर, डंडों से पीटा

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में स्थित प्रसिद्ध मेहंदीपुर बालाजी मंदिर एक बार फिर विवादों में घिर गया है। आस्था और विश्वास का केंद्र माने जाने वाले इस मंदिर में सोमवार को जो नजारा देखने को मिला, उसने श्रद्धा को शर्मसार कर दिया। मंदिर प्रांगण में तैनात बाउंसरों ने श्रद्धालुओं पर इस कदर कहर बरपाया कि कई लोग लहूलुहान हो गए। हैरान कर देने वाली बात ये रही कि महिला श्रद्धालुओं तक को इन बाउंसरों की लाठियों से नहीं बख्शा गया।

घटना सोमवार दोपहर की है, जब मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। भीड़ को नियंत्रित करने के नाम पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा तैनात बाउंसरों ने श्रद्धालुओं से बदसलूकी शुरू कर दी। लाइन लगाने को लेकर हुई मामूली कहासुनी ने कुछ ही देर में हिंसक रूप ले लिया।पहले बाउंसरों ने गालियां दी, फिर देखते ही देखते लाठी-डंडों से श्रद्धालुओं को पीटना शुरू कर दिया। इस हमले में सात श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। कुछ के सिर फूट गए तो कुछ के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। लेकिन सबसे शर्मनाक पहलू यह रहा कि घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी मंदिर प्रशासन ने नहीं उठाई।

वर्दी ने हमें आमजन की सेवा का सुनहरा अवसर दिया : मेहरड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान की राजधानी जयपुर में सोमवार को पुलिस महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा के सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने कहा वर्दी ने हमें आमजन की सेवा का सुनहरा अवसर दिया हैं। इस अवसर पर पुलिस अकादमी के परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में पुलिस की आठ टुकड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें दो आरपीएस प्रशिक्षु, एक हाड़ी रानी महिला बटालियन, तीन प्रशिक्षु महिला आरक्षक और चौथी और पांचवी बटालियन शामिल थे। डा मेहरड़ा के आगमन पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस मौके डा मेहरड़ा ने परेड का निरीक्षण किया, इसके बाद सेंट्रल बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए सभी टुकड़ियों ने उन्हें सलामी दी।

समारोह में डा मेहरड़ा ने अपने पुलिस करियर के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि हर आईपीएस अधिकारी का सपना होता है कि वह इस पद को संभाले और उन्हें यह मौका मिलने पर वह राज्य सरकार, सहकर्मियों और शुभचिंतकों के आभारी हैं। उन्होंने बताया कि जीवन अनुभवों का एक गुलदस्ता है, जिसमें खुशबू के साथ कांटे भी होते हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नेतृत्व प्रदान करने, अधीनस्थों का मनोबल बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए योजना बनाने एवं उसे क्रियान्वित करने की सलाह दी।उन्होंने 35 वर्षों की सेवा से मिली आत्म-संतुष्टि और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने वर्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसने उन्हें आमजन की सेवा करने और पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने का सुनहरा अवसर मिला है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से वर्दी के आदर्शों और उसूलों का सम्मान करने के लिए व्यक्तिगत कष्टों और नुकसान से परे होकर आंतरिक मूल्यांकन करने का आग्रह किया।

उन्होंने जोर दिया कि पुलिसकर्मियों को नई चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को अपग्रेड करना होगा और अपनी तकनीकी दक्षता बढ़ानी होगी। अंत में उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में डीजीपी अनिल पालीवाल, मालिनी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अशोक राठौर, रिटायर्ड डीजीपी के एस बैंस, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस सेंगाथिर, बिनीता ठाकुर, संजीव नार्जारी, विशाल बंसल, दिनेश एमएन सहित जयपुर कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ जैसे कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

लोकतंत्र की आत्मा है संसद, जनविश्वास ही इसकी सबसे बडी पूंजी : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संसद को लोकतंत्र की आत्मा एवं जनविश्वास ही इसकी सबसे बडी पूंजी बताते हुए कहा है कि संसद और विधानसभाएं केवल विधायी मंच नहीं बल्कि जन आस्था, उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक चेतना के जीवंत प्रतीक है। देवनानी सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय संसद दिवस के अवसर पर देश-विदेश के समस्त सांसदों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि यह दिन हमें स्मरण कराता है कि जनप्रतिनिधित्व केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्तव्य, सेवा और संवेदनशीलता का दायित्व है।

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2018 में 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय संसद दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह तिथि इंटर पार्लियामेन्ट यूनियन की स्थापना की स्मृति में निर्धारित की गई जो कि विश्व की संसदों का प्रतिनिधि संगठन है और लोकतांत्रिक मूल्यों, संवाद और विधायी सशक्तिकरण के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि संसदीय गरिमा, संवाद की शुचिता, सदन में आचरण की मर्यादा और जनहित की सर्वोच्च प्राथमिकता ये मूल्य जितना हम निभाएंगे, लोकतंत्र उतना ही गहरा और स्थायी होगा। देवनानी ने कहा कि जब संसद सजग होती है तो समाज सशक्त होता है।

जब संवाद सशक्त होता है, तब राष्ट्र विकसित होता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को उतनी ही निष्ठा से निभा रहे हैं, जितनी अपेक्षा हमारे संविधान और नागरिकों को हमसे है। देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधानसभा ने ई-विधान प्रणाली, सदस्यों के प्रशिक्षण सत्र, प्रश्नकाल की प्रभावशीलता, और नागरिक सहभागिता जैसे कई अभिनव प्रयासों के माध्यम से विधायी कार्यों को अधिक पारदर्शी, डिजिटल और उत्तरदायी बनाया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नवीन तकनीक और पारंपरिक मूल्यों के संतुलन से ही 21वीं सदी का आदर्श विधायन तंत्र स्थापित हो सकता है।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से यह आह्वान किया कि वे जनआकांक्षाओं की सही आवाज बने, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन में सार्थक और सकारात्मक विमर्श करें और जनसेवा के संकल्प को जीवन का ध्येय बनाएं। देवनानी ने कहा कि आज का दिन केवल उत्सव नहीं, आत्मचिंतन का अवसर है ताकि हम विधायी गरिमा, लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व और जनसंपर्क की मर्यादा को सशक्त कर सकें ।

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने किए श्रीनाथजी के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमंद। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री और पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल राजसमंद के नाथद्वारा पहुंचे। वहां उन्होंने प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन किए। केंद्रीय मंत्री बघेल आज प्रात नाथद्वारा पहुंचे और श्रीनाथजी मंदिर में श्रीनाथजी प्रभु की ग्वाल झांकी के दर्शन किए। दर्शन के बाद बघेल महाप्रभुजी की बैठक पहुंचे, जहां मंदिर परंपरा अनुसार मंदिर के अधिकारी सुधाकर शास्त्री ने उपरना और रजाई ओढ़ाकर प्रसाद भेंट कर उनका सम्मान किया।

इस दौरान बघेल ने कहा कि श्रीनाथजी के दर्शन कर मन आनंदित हो गया। प्रभु से यही प्रार्थना है कि देश की एकता अखंडता बनी रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित राष्ट्र, सुपर पावर का जो सपना है, वो प्रभु की कृपा से पूर्ण हो। उन्होंने कहा कि वे पशुपालन विभाग के मंत्री हैं और गोसेवा पर मंदिर के तिलकायत पुत्र

युवाचार्य विशाल बावा से चर्चा हुई है। उनकी मंशा अनुसार यहां एक वेटनरी कॉलेज खोलने पर बात हुई है। प्रभु के पास काफी भूमि है, ऐसे में जगह की कोई समस्या नहीं है और अगर यहां कॉलेज बनाता है तो प्रभु के गोधन के साथ ही अन्य पशु पक्षियों को भी इसका लाभ मिलेगा। आपातकाल पर बघेल ने कहा कि कांग्रेस आज लोकतंत्र और संविधान की बात करती है, लेकिन असल में आपातकाल के दौरान लोगों के मौलिक अधिकार छीने गए। बोलने की आजादी पर पाबंदी लगी और मीडिया पर सख्ती बरती गई, जिन लोगों ने चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया, वे अब लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं।

अब गहलोत का खेल खत्म : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बाद अब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। झुंझुनू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शेखावत ने कहा कि अब न केवल प्रदेश की जनता, बल्कि खुद कांग्रेस पार्टी भी अशोक गहलोत के राजनीतिक खेल को समझ चुकी है। इसलिए जब इस बार वे मुख्यमंत्री पद से हटे, तो पार्टी ने उन्हें किसी भी नई भूमिका में जगह नहीं दी।

शेखावत ने कहा कि पहले जब गहलोत मुख्यमंत्री पद से हटते थे, तो पार्टी उन्हें तुरंत दिल्ली बुलाकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में महासचिव जैसे पदों पर नियुक्त कर देती थी लेकिन इस बार उन्हें पूरी तरह से किनारे कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब गहलोत खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए अनर्गल और बेबुनियाद बयानबाजी कर रहे हैं, जो जनता में असर नहीं छोड़ रही।

शेखावत ने गहलोत के उस बयान पर कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने की तैयारी चल रही है, तीखी टिप्पणी देते हुए कहा कि अशोक गहलोत एक ऐसी मानसिक अवस्था से ग्रसित हैं, जो उन्हें अपने समय के हालातों की छायाएं दिखा रही हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जब गहलोत की सरकार थी, तब होटल पॉलिटिक्स और सरकार गिरने का खतरा हमेशा बना रहता था, शायद वही डर उन्हें अब भी सपनों में दिखाई देता है।

'इंडि' गठबंधन की सरकार बनी तो

बिहार में राजस्थान के स्वास्थ्य मॉडल को लागू करेंगे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में अगर 'इंडि' गठबंधन की जीत हुई तो राज्य में 'स्वास्थ्य देखभाल का राजस्थान मॉडल' लागू किया जाएगा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी (बीपीसीसी) के मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन में यह वादा किया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में बिहार मामलों के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार भी मौजूद थे।

गहलोत ने दावा किया कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में राजस्थान ने ''अद्वितीय स्वास्थ्य मॉडल'' लागू किया, जिसमें ''शत-प्रतिशत लोगों'' को मुफ्त चिकित्सा बीमा का लाभ मिला, जबकि आयुष्मान भारत योजना ''केवल आबादी के एक हिस्से को लाभ पहुंचाती है''। कांग्रेस नेता ने कहा, ''राजस्थान स्वास्थ्य अधिकार अधिनियम ने प्रत्येक परिवार को मुफ्त जांच, उपचार और दवाइयों की गारंटी दी है। अन्य राज्य में ऐसा स्वास्थ्य मॉडल नहीं है। हम बिहार में सत्ता में आते हैं, तो इसे यहां भी दोहराया जाएगा।''

झारखंड: 'हूल दिवस' के कार्यक्रम से पहले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के साहिबगंज जिले के भोगनाडीह इलाके में 'हूल दिवस' के अवसर पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह से पहले कथित तौर पर एक मंच को गिराए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कुछ लोगों पर पुलिस ने सोमवार को आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भोगनाडीह आदिवासी प्रतीक सिदो और कान्हू मुर्मू नामक दो भाइयों का जन्मस्थान है, जिन्होंने 1855-56 में ब्रिटिश शासन और स्थानीय जमींदारों के खिलाफ संथाल विद्रोह का नेतृत्व किया था। इसी विद्रोह की याद में 30 जून को 'हूल दिवस' मनाया जाता है। सिदो-कान्हू मुर्मू हूल फाउंडेशन (एसकेएचएफ) और आतो मांझी वाशी भोगनाडीह (एएमवीबी) के नेतृत्व में ग्रामीण जिला प्रशासन द्वारा 'हूल दिवस' मनाने के लिए बनाए गए एक अलग मंच को कथित तौर पर नष्ट किए जाने का विरोध कर रहे थे। भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने घटना की निंदा की जबकि वरिष्ठ मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि इसके पीछे एक ''सुनियोजित साजिश हो सकती है। एक अधिकारी ने बताया, ''पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े, क्योंकि कुछ ग्रामीणों ने धनुष और तीर से पुलिस पर हमला कर दिया था।'' उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर सिदो-कान्हू भोगनाडीह पार्क को भी बंद कर दिया था। जब पुलिस गेट खोलने के लिए वहां पहुंची तो प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हो गई थी। साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा, ''स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और सरकारी समारोह सुचारू रूप से संपन्न हुआ।'' उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह उस समय हुई जब एक समूह ने अलग-अलग इस अवसर को मनाने का प्रयास किया। उपायुक्त हेमंत सती ने बताया कि भोगनाडीह में हर साल राजकीय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों ने अपने निहित स्वार्थों के चलते उपद्रव मचाने की कोशिश की और पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करके भीड़ को तितर-बितर करना पड़ा। इस घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोट पहुंची है।''

भाजपा ने वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना की

'नमाजवाद' छिपाने के लिये समाजवाद की आड़ लेने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर संविधान को 'शरिया की स्क्रिप्ट' में बदलने और अपने 'नमाजवाद' को छिपाने के लिए 'समाजवाद' की आड़ लेने का आरोप लगाया।

भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव की भी उनकी उस टिप्पणी के लिए आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उनका गठबंधन बिहार में सत्ता में आता है, तो संशोधित वक्फ अधिनियम को 'कूड़ेदान में फेंक देगा'।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस-वाम दलों के 'इंडिया' गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया है, क्योंकि यह अधिनियम संसद द्वारा पारित किया गया था और उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। त्रिवेदी ने कहा कि वे ना तो संसद का सम्मान करते हैं और ना ही न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा करने पर विपक्षी दलों की आलोचना को खारिज कर दिया, जिसकी शुरुआत बिहार से हुई है। उन्होंने कहा कि यह आलोचना उनकी अपरिहार्य हार के मद्देनजर उनकी 'पराजयवादी मानसिकता' से उपजी है। उन्होंने कहा कि ये दल फर्जी मतदाता चाहते हैं, जबकि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही अपनी पसंद की सरकार चुन सकें। आयोग ने कहा है कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य केवल पात्र मतदाताओं को ही मतदाता सूची में शामिल करना है।

विपक्षी दलों ने दावा किया है कि आयोग जानबूझकर पात्र मतदाताओं को बाहर कर सकता है। बिहार में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है।

पटना में आयोजित एक रैली में वक्फ (संशोधन) अधिनियम की तीखी आलोचना करने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि उनका (विपक्षी दलों का) गठबंधन वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन पिछले दरवाजे से शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य हिंदू अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षण की कीमत पर मुसलमानों को आरक्षण दे रहे हैं और पश्चिम बंगाल भी ऐसा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बी आर अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान के मूल्यों के प्रति भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, '' 'संविधान बचाओ' इन दलों का महज दिखावा है, क्योंकि इनका असली चेहरा 'शरिया लाओ' है। अगर वे सत्ता में आए, तो संविधान की प्रस्तावना में 'नमाजवाद' जोड़ देंगे। वे संविधान को शरिया स्क्रिप्ट में बदलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।''

सिक्किम विधानसभा ने लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम विधानसभा ने 'सिक्किम लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2025' पारित कर दिया। एक दिवसीय सत्र के दौरान 'स्कॉलर्स यूनिवर्सिटी ऑफ स्किल्स एंड इनोवेशन, सिक्किम विधेयक, 2025' को भी सदन के पटल पर पेश किया गया।

विधि मंत्री राजू बसनेत ने विधानसभा अध्यक्ष एम. एन. शेरपा की अनुमति से सदन में संशोधन विधेयक पेश किया, जिसमें लोकायुक्त के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों के कार्यकाल के विस्तार के लिए सिक्किम लोकायुक्त अधिनियम, 2014 की धारा पांच में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है। 'सिक्किम लोकायुक्त अधिनियम, 2014' में 2018 में संशोधन किया था, जिसमें लोकायुक्त के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल के विस्तार के संबंध में धारा पांच को शामिल किया गया था, लेकिन कार्यकाल विस्तार के उक्त प्रावधान को सिक्किम लोकायुक्त (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा हटा दिया गया। विधि मंत्री ने सिक्किम लोकायुक्त (संशोधन), विधेयक 2025 के उद्देश्यों पर विस्तार से बताते हुए कहा कि निरंतरता सुनिश्चित करने और अध्यक्ष तथा सदस्यों को लंबित मामलों से निपटने के वास्ते पर्याप्त समय देने के लिए राज्य सरकार सिक्किम लोकायुक्त अधिनियम, 2014 की धारा पांच में संशोधन करना उचित समझती है, ताकि अध्यक्ष व लोकायुक्त के सदस्यों के कार्यकाल के विस्तार का प्रावधान जोड़ा जा सके।

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद मेघालय आने वाले पर्यटकों को गाइड रखना अनिवार्य

शिलांग/भाषा। मेघालय के अधिकारियों ने पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर पूर्वी खासी पवर्तीय जिले में बाहरी इलाकों का अवलोकन करने के लिए गाइड रखना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह आदेश इंदौर के व्यापारी राजा रघुवंशी की हत्या के एक महीने बाद आया है, जिसकी योजना उनकी पत्नी ने राज्य के सोहरा क्षेत्र में अपने हनीमून के दौरान बनाई थी। पूर्वी खासी पवर्तीय जिले की उपायुक्त रोसेटा एम कुरबाह ने एक आदेश में कहा, ''सुरक्षा कारणों को देखते हुए, अब सभी पर्यटकों के लिए क्षेत्र में पर्वतारोहण (और बाहरी गतिविधियों) के दौरान पंजीकृत गाइड की सेवाएं लेना अनिवार्य है।'' उन्होंने कहा कि अनिवार्य गाइड सेवाएं न केवल आगंतुकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी, बल्कि इससे अलग-थलग क्षेत्रों में खो जाने, चोट लगने या आपराधिक गतिविधियों का शिकार होने जैसी घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी।

भाजपा शासित राज्यों में

बांग्ला भाषी प्रवासियों को 'उत्पीड़न' का सामना करना पड़ रहा : टीएमसी सांसद

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद समीरुल इस्लाम ने सोमवार को आरोप लगाया कि बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को भाजपा के शासन वाले राज्यों में 'उत्पीड़न' का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है। इस्लाम ने पोस्ट में कहा, ''इन प्रवासी श्रमिकों को बिना किसी पुलिस रिकॉर्ड के हिरासत में लिया जा रहा है। अधिकारी उनकी नागरिकता सत्यापित करने के लिए राज्य सरकार से संपर्क भी नहीं कर रहे हैं। तो फिर मोदी और शाह का मकसद क्या है?'' उन्होंने लिखा, ''क्या वे सभी भारतीय कानूनों को दरकिनार करते हुए बंगाल को अवैध तरीके से दंडित करने का इरादा रखते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे राज्य में चुनाव जीतने में नाकाम रहे?'' इस्लाम ने सवाल किया कि भारतीय नागरिकों के साथ इस तरह का व्यवहार कैसे किया जा सकता है। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों का उत्पीड़न लगातार जारी है। वैध दस्तावेज होने के बावजूद बंगाल के कई गरीब श्रमिकों को गलत तरीके से बांग्लादेशी बताया जा रहा है।

ओडिशा में सुरक्षा बलों ने दो माओवादियों को मार गिराया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने सोमवार को कंधमाल जिले में दो माओवादियों को मार गिराया और उनके ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। मारे गए माओवादियों की पहचान मनकू और चंदन के रूप में हुई है। मनकू प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) था, जबकि चंदन संगठन का सदस्य था। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुरक्षाकर्मियों ने दो शव बरामद करने के अलावा मौके से एक राइफल भी जब्त की है। रिवॉल्वर, कारतूस, वॉकी-टॉकी सेट, बैटरी और अन्य सामान भी जब्त किया गया है। बालीगुडा थाना क्षेत्र में एक संरक्षित वन के पास कुछ माओवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर जिला स्वैच्छिक बल ने अभियान शुरू किया।

हमने अखिलेश के लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगाया है : राजभर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जौनपुर/भाषा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सोमवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव सत्ता में लौटने के लिए बेताब हैं लेकिन उन्होंने और अन्य क्षेत्रीय दलों ने पहले ही उनके लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगा दिया है।

जौनपुर जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित पार्टी कार्यकर्ता बैठकों में भाग लेने पहुंचे राजभर ने सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, अखिलेश सत्ता में आने के लिए बेताब हैं लेकिन मैंने, संजय निषाद (निषाद पार्टी), अनुप्रिया पटेल (अपना दल-एस) और जयंत चौधरी (रालोद) ने उनके लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगा दिया है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद), अपना दल (एस), निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) और सुभासपा उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा हैं। राजभर ने जौनपुर में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करनी है, ताकि आगामी चुनावों में सुभासपा निर्णायक भूमिका निभा सके। राजभर ने कहा, सपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश भर में कुल 800 दंगे हुए थे। वहीं, भाजपा के शासनकाल में पिछले आठ वर्षों में एक भी दंगा नहीं हुआ। यह फर्क लोगों को समझना होगा। गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को 'मित्र' कहे जाने को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे सवाल के जवाब में राजभर ने कहा, भाजपा में सब ठीक है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में अरुणाचल प्रदेश 'बेहतर प्रदर्शन' करने वाला राज्य बना : खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि राज्य ने माध्यमिक स्तर पर 'बीच में पढ़ाई छोड़ देने की दर' घटाकर 11.7 प्रतिशत तक लाने और प्राथमिक स्तर पर 100 प्रतिशत समायोजित नामांकन प्राप्त कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

खांडू ने अपनी सरकार के पेमा 3.0: सुधार और विकास का वर्ष अभियान के तहत शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य में विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात अब 11:1 हो गया है, जो राष्ट्रीय औसत 24:1 से कहीं बेहतर है। मुख्यमंत्री ने रविवार को पोस्ट में लिखा, ये उपलब्धियां सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने घोषणा की कि अरुणाचल प्रदेश अब नीति आयोग के 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2024' में सतत विकास लक्ष्य चार (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) के तहत 'आकांक्षी' राज्य से 'प्रदर्शन' करने वाले राज्य की श्रेणी में आ गया है। नीति आयोग द्वारा विकसित 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स' देश और राज्यों में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति को मापने का मुख्य पैमाना है।

ओडिशा में बालासोर और मयूरभंज जिलों में बाढ़ का पानी घुसने के बाद लोगों को निकाला गया

भुवनेश्वर/बालासोर/बारीपदा/भाषा। उत्तरी ओडिशा में प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण राज्य सरकार ने निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है तथा बालासोर और मयूरभंज जिलों में बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने दोनों जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है क्योंकि सुवर्णरेखा, बुधबलंग, जलाका और सोनो जैसी नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सोमवार को दोपहर में राजघाट पर सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर 11.53 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 10.36 मीटर से काफी ऊपर है। बालासोर के कम से कम चार प्रखंडों बलियापाल, भोगराई, जलेश्वर और बस्ता के प्रभावित होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, बुधबलंग नदी के कारण बालासोर नगरपालिका और सदर क्षेत्रों में बाढ़ आने का खतरा है, जबकि जलाका नदी के पानी के कारण बस्ता और बालासोर सदर क्षेत्रों के प्रभावित होने की आशंका है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के बाद संवाददाताओं को बताया, बाढ़ के पानी ने बालासोर और मयूरभंज के कई हिस्सों को जलमग्न कर दिया है।

बिहार की राजनीति में पसमांदा मुसलमानों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी आने वाले समय में राज्य की राजनीति में 'पसमांदा मुसलमानों' की भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

पसमांदा मुसलमानों को राज्य की राजनीति में शामिल करने की घोषणा इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले की गई। पसमांदा मुसलमान बिहार की कुल मुस्लिम आबादी में 70 प्रतिशत से अधिक हैं। पसमांदा में पिछड़े, दलित और आदिवासी मुसलमान शामिल हैं। जायसवाल ने समुदाय के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''बिहार में हमेशा मुसलमानों के नाम पर राजनीति की जाती रही है लेकिन पसमांदा मुसलमानों के उत्थान के लिए कभी कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया गया। भाजपा आने वाले समय में राज्य की राजनीति में पसमांदा मुसलमानों की भागीदारी सुनिश्चित करेगी।'' जायसवाल ने कहा कि भाजपा की अनूठी विशेषता सभी धर्मों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की उसकी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, ''पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के नारे के साथ काम करती है।'' किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बिना जायसवाल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों के नाम पर लंबे समय से राजनीति होती रही है, लेकिन पसमांदा मुसलमानों के उत्थान के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया।

चुनौतियों का सामना करने के लिए तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' चाहते हैं नीरज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना ठंडे दिमाग से करने के लिये महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' पाना चाहते हैं ।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के चोपड़ा ने यह भी कहा कि ह धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहे हैं जब उनके दिग्गज कोच जान जेलेंजी ने उन्हें भाला फेंकने से पहले 18 बरस के युवक की तरह किसी तनाव के बिना दौड़ने की सलाह दी । उन्होंने कहा कि अब तक मैदान से भीतर और बाहर उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह चेक कोच जेलेंजी से मिली है जिनके नाम 98 . 48 मीटर का भालाफेंक का विश्व रिकॉर्ड है ।

चोपड़ा ने 'स्टार स्पोर्टर्स' और 'जियो हॉटस्टार' से कहा ,'' जब भी मैं थ्रो फेंकता हूं तो मैं काफी ऊर्जावान रहता है लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि मुझे प्रवाह के साथ दौड़ना है । मुझे 18 वर्ष के लड़के की

तरह बिना किसी तनाव के दौड़ना है । मैं धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहा हूं ।'' उन्होंने कहा ,'' किसी भी खेल में प्रवाह महत्वपूर्ण है । मसलन रोजर फेडरर इतनी गरिमा और लय के साथ खेलते हैं कि पता ही नहीं चलता कि वह इतना प्रयास कर रहे हैं । मैं अपने अभ्यास में वही उतारना चाहता हूं ।''

यह पूछने पर कि वह किस क्रिकेटर की सुपरपावर भालाफेंक में उतारना चाहेंगे , चोपड़ा ने कहा ,''सचिन तेंदुलकर । उन्होंने इतने साल तक इतने शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व किया । इतने महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना करके भी शानदार प्रदर्शन किया ।''

उन्होंने कहा ,'' मैं वही सुपरपावर लेना चाहूंगा और वैसे ही खेलना चाहूंगा । इससे मुझे शांत रहकर चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी ।''

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंता का विषय : चैपल

लंदन/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा । उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी । भारत को पांच मैचों की शृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया । भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाये ।

चैपल ने अपने कॉलम में लिखा ,'' हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था । भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी । सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरूआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला ।'' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे । उन्होंने कहा ,''भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था । जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे । गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है । लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था ।''

सुविचार

राधा के प्रेम ने कृष्ण को वो सुकून दिया, जिसे वो दुनिया की किसी और चीज़ में नहीं पा सकते थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाक के बेबुनियाद आरोप

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत में वजीरिस्तान के खड्डी गांव में हुए आत्मघाती हमले के बाद इस पड़ोसी देश द्वारा भारत पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उक्त धमाके से रावलपिंडी को बहुत पीड़ा हुई है, क्योंकि उसके एक दर्जन से ज्यादा फौजी मारे गए हैं। अब जीएचक्यू में बैठे जनरलों को एक बार विचार करना चाहिए कि आतंकवाद की यह आग लगाई किसने थी? उसकी लपटों से खुद के फौजी झुलसने लगे तो बहुत तकलीफ हो रही है! पाकिस्तान ने आतंकवाद को लेकर जो खतरनाक प्रयोग शुरू किया था, अब वह खुद उसका खामियाजा भुगत रहा है। ऐसे में भारत पर आरोप लगाना बिल्कुल गलत है। याद करें, भारतीय संसद पर हमला, 26/11 हमला, पठानकोट हमला, उरी हमला, पुलवामा हमला और पहलगाम हमला – इन सबमें पाकिस्तान का हाथ था। भारत बार-बार कह चुका है कि एक दिन आतंकवाद पाकिस्तान की ओर पलटकर आएगा। हाल के वर्षों में केपीके में हुए धमाकों पर ही नजर डालें तो इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि आतंकवाद ने पाकिस्तान को निगलना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने वजीरिस्तान के गांव में हमला करने के लिए जो तरीका अपनाया, वह 14 फरवरी, 2019 को किए गए पुलवामा हमले से काफी मिलता-जुलता है। उस घटना के बाद पाकिस्तानी मीडिया ने हमलावर की शान में कसीदे पढ़े थे, आतंकवादियों का गुणगान किया था। क्या वह खड्डी धमाके में शामिल रहे आतंकवादियों की तारीफ करने का हौसला दिखाएगा? 'जो भारत को नुकसान पहुंचाए, वह अच्छा आतंकवादी है; जो पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाए, वह बुरा आतंकवादी है!' पाक को इसी सोच ने यहां तक पहुंचाया है।

इस घटना के बाद रावलपिंडी को यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवादी किसी के सगे नहीं होते। हिलेरी क्लिंटन ने एक बार पाकिस्तान को यह कहते हुए चेतावनी दी थी कि 'आप अपने घर के पिछवाड़े में सांप पाल कर ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते कि वे सिर्फ आपके पड़ोसी को डसेंगे।' जब अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था, तब सबसे ज्यादा खुशियां पाकिस्तान में मनाई जा रही थीं। उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि 'अफगानिस्तान ने गुलामी की जंजीरें तोड़ दीं।' पाकिस्तान को भ्रम था कि तालिबान अफगानिस्तान में उसके प्रभाव को बढ़ाएगा और भारत के खिलाफ उसका साथ देगा, क्योंकि उसके लड़ाकों को पनाह, प्रशिक्षण, हथियार आदि इस्लामाबाद ने दिए थे। हालांकि हुआ उसका ठीक उल्टा! आज टीटीपी जैसे संगठन पाकिस्तान के लिए सिरदर्द बन गए हैं। इन्होंने पिछले चार वर्षों में केपीके और बलोचिस्तान में बड़े हमले किए हैं। ये मुख्यत: सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान खड्डी धमाके के लिए भारत पर आरोप लगा रहा है, लेकिन उसके हुक्मरान यह क्यों भूल रहे हैं कि हमले की जिम्मेदारी हाफिज गुल बहादुर समूह से जुड़े आतंकी संगठन उसुद अल-हरब ने ली है, जो टीटीपी का हिस्सा है? जब पाकिस्तानी फौज पूर्व में इन संगठनों को प्रशिक्षण दे रही थी, तब यह ख़याल क्यों नहीं आया कि एक दिन ये लोग हम पर भी धावा बोल सकते हैं? अब तो इन संगठनों की कई शाखाएं खुल चुकी हैं। वे अफगानिस्तान की तर्ज पर पाकिस्तान में तालिबानी शासन लाना चाहती हैं। इसकी राह में सबसे बड़ी रुकावट पाकिस्तानी फौज है, इसलिए उसके जवानों और अधिकारियों पर हमले जारी हैं। खड्डी हमले के जरिए इसी सिलसिले को आगे बढ़ाया गया है। अब पाकिस्तान को उन 'गतिविधियों' का आनंद लेने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिनकी शुरुआत उसने दूसरों को परेशान करने के लिए की थी।

ट्वीटर टॉक

तेलंगाना में एक केमिकल फैक्ट्री के रिएक्टर में विस्फोट के चलते कई श्रमिकों की मृत्यु और घायल होना अति दु:खदायी है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूँ।

-ओम बिरला

मोदी सरकार की पहचान... बिना भेदभाव सबका विकास! चाहे शिक्षा का अवसर हो, चाहे आर्थिक सशक्तिकरण या सामुदायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती की बात हो... हर क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान के लिए मोदी सरकार ने हर संभव प्रयास किया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

जन सुलभ व जनसेवा को समर्पित देश व प्रदेश के समस्त जनप्रतिनिधियों, देवतुल्य जनमानस को अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं यह अवसर जनप्रतिनिधियों को उनके जनसरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध करता है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

संतोष और अहंकार की खेती

प्रख्यात वैष्णव संत-कवि कुंभनदास अपनी संतोषवृत्ति और सरल स्वभाव के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थे। एक बार राजा मानसिंह उनके दर्शन करना चाहते थे, परंतु उन्होंने कवि से पहचान छिपाने के लिए भेष बदल लिया। उस समय कुंभनदास तिलक लगाने के लिए आईना खोज रहे थे। उन्हें बताया गया कि उनका आईना कल बिल्ली से टूट गया। कुंभनदास ने शांत स्वर में कहा, 'कोई बात नहीं बेटी (बिल्ली) है, किसी कारणवश ऐसा हो गया।' फिर वे एक टूटे हुए मटके के पात्र में भरे पानी में चेहरा देखकर तिलक लगाने लगे। यह देखकर राजा विस्मित रह गए। अगले दिन राजा ने उन्हें स्वर्ण मुद्राएं भेंट करनी चाहीं, पर कुंभनदास ने लेने से इनकार कर कहा, 'महाराज, मेरा जीविकोपार्जन मेरी खेती से हो जाता है। कृपया करके इसे न बढ़ाएं, वरना मेरे जीवन में दिखावे और अहंकार की खेती हो जाएगी।' राजा मानसिंह, उनकी संतोषवृत्ति और विनम्रता देखकर अभिभूत हो गए और उन्हें साष्टांग प्रणाम किया।

सामयिक

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है।

रोगी के लिए स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

वर्ष 2025 की थीम है 'मास्क के पीछे : देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टरों द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्वलित किए हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिए आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं।

डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भूत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

नजरिया

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

भारत में वर्षाकाल मे भीषण प्राकृतिक वर्षा के फलस्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल, उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है। देश के साथ एकसाथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है। यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस में सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर, जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58 प्रतिशत क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात, सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आतंकी हमले के बावजूद अमरनाथ तीर्थयात्रियों ने पहलगाम मार्ग चुना, कहा : हम आतंकवादियों से डरते नहीं

जम्मू/भाषा

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भयावह आतंकवादी हमले का असर इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर पड़ने की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए देश के विभिन्न भागों से सैकड़ों तीर्थयात्री पहले दिन पंजीकरण केन्द्र पर कतारों में खड़े दिखायी दिए। ग्याहरवीं बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे मुंबई निवासी दिवाकर कदम ने कहा, गोली और बम हमें बाबा बर्फानी के दर्शन करने से नहीं रोक सकते। जम्मू रेलवे स्टेशन के निकट सरस्वती धाम पंजीकरण केंद्र पर पंजीकरण के पहले दिन लोगों की भीड़ देखी गई और वहां उपस्थित कई लोगों ने बढ़ती भीड़ को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को करारा जवाब बताया।

आतंकियों ने 22अप्रैल को किए गए हमले में विशेष धर्म के लोगों की पहचान करके पहलगाम में 26 लोगों (जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बम बम बोले और जय बाबा बर्फानी के नारों के बीच तीर्थयात्री टोकन पाने की प्रतीक्षा करते दिखायी दिए जिनमें से कई ने कहा कि वे 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहलगाम मार्ग से अमरनाथ की तीर्थयात्रा कर रहे हैं। कदम ने कहा, हम बहुत उत्साहित हैं। हमारे 26 सदस्यों का समूह बेहद खुश है, और हम अमरनाथ जी के दर्शन करने वाले पहले जत्थे का हिस्सा बनना चाहते हैं। हमें कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा, चाहे कुछ भी हो जाए, अमरनाथ यात्रा के लिए देशभर के लोगों का उत्साह कम नहीं हो सकता। हर कोई आएगा और दर्शन करेगा।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है। प्राधिकारियों ने यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा।

समूह की एक अन्य सदस्य मुमता देशमुख ने बताया कि वह कल देर रात यहां पहुंचे और मौके पर पंजीकरण के लिए टोकन लेने के लिए सुबह से ही कतार में खड़े थे। उन्होंने कहा, इस बार यह सिर्फ बाबा बर्फानी के दर्शन की तीर्थयात्रा नहीं है, बल्कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है। उन्होंने कहा, पहलगाम से यात्रा शुरू करके हम आतंकवादियों को संदेश दे रहे हैं कि हम उनसे डरते नहीं हैं।

कदम ने कहा कि यह उनकी 11वीं तीर्थयात्रा है। उन्होंने कहा, हम ऐसे हमलों के आगे न तो रुकेंगे और न ही झुकेंगे। चाहे गोलियां चलें या बम फटें, हम निश्चित रूप से बाबा के दर्शन करेंगे। हम उनसे (आतंकियों) डरते नहीं हैं। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम भविष्य की हर यात्रा के पहले जत्थे में शामिल होते रहेंगे।

तीर्थयात्रा के लिए 95 लोगों के समूह के साथ आई कोलकाता की सरिता घोष ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं में उत्साह अधिक है। उन्होंने कहा, इससे साफ पता चलता है कि लोग डर फैलाने की कोशिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। मेरा मानना है कि पिछले साल की तुलना में इस बार दोगुनी संख्या में लोग आएंगे और डर परास्त होगा। घोष ने कहा कि सभी ने पहलगाम मार्ग अपनाने का फैसला किया है, खास तौर पर आतंकी हमले के मद्देनजर। उन्होंने कहा, यह उन लोगों के प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी जो वहां मारे गए, यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी प्रतिज्ञा होगी।

असम के निरोहुतम कुमार ने कहा कि आतंकवादी हमला उन्हें तीर्थयात्रा करने से नहीं रोक सकता।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को 'वैध संघर्ष' बताया

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक 'वैध संघर्ष' बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में करारा जवाब देने की चेतावनी भी दी।

मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है।'' उन्होंने दावा किया, ''जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों के माध्यम से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है।'' मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा,''पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल समर्थक है।''

अतीत में पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान की ''गले की नस'' बताया था।

भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख ''हमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे।'' भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई। मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान ने दो बार भारतीय सैन्य हमले का करारा जवाब देने के बाद खुद को ''विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले'' के रूप में साबित कर दिखाया।

वह स्पष्ट रूप से पुलवामा आतंकी हमले के बाद 2019 के बालाकोट हमले और हाल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, ''गंभीर उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने संयम और परिपक्वता के साथ काम किया तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसके कारण पाकिस्तान ने विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले की भूमिका निभाई है।''

दक्षेस की जगह नए क्षेत्रीय समूह की स्थापना पर काम कर रहे पाकिस्तान, चीन

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं, जो लगभग निष्क्रिय पड़े दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) की जगह ले सकता है। सोमवार को एक खबर में यह दावा किया गया। इस घटनाक्रम से अवगत राजनयिक सूत्रों के हवाले से 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने लिखा कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है।

सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। दक्षेस में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है।

हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक 'राजनीतिक' नहीं थी। विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा, ''हम कोई गठबंधन नहीं बना रहे हैं।'' सूत्रों के अनुसार, भारत को नए प्रस्तावित मंच में आमंत्रित किया जाएगा, जबकि श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे देश भी इसका हिस्सा हो सकते हैं।

अखबार ने कहा कि नए संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापार और संपर्क बढ़ाकर अधिक क्षेत्रीय जुड़ाव की संभावना तलाशना है।

इसमें कहा गया है कि यदि प्रस्ताव को मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह दक्षेस की जगह लेगा, जिसे भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण लंबे समय से निलंबित कर दिया गया है।

साल 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से दक्षेस का कोई द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। साल 2016 में दक्षेस का शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उस साल 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने ''मौजूदा परिस्थितियों'' के कारण शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की। बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान द्वारा भी इस्लामाबाद बैठक में भाग लेने से इनकार करने के बाद शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

प्रचार

मुंबई में सोमवार को अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान मुंबई के लोअर ओशिवारा मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे।

'हेराफेरी' में हुई परेश रावल की वापसी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता परेश रावल हेराफेरी 3 में काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड की सबसे पसंद की जाने वाली कॉमेडी फिल्मों में से एक 'हेरा फेरी' इन दिनों अपने तीसरे सीक्वल को लेकर सुर्खियों में हैं। हेराफेरी सीरीज में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल अहम भूमिका में नजर आये थे। अक्षय कुमार के साथ अनबन के बाद परेश रावल ने फिल्म हेराफेरी 3 छोड़ने का फैसला किया था, जिससे प्रशंसकों में निराशा थी। ऐसा कहा जा रहा था कि फिल्म की तीसरे सीक्वल में 'राजू और श्याम' (अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी) के साथ 'बाबू भइया' यानी परेश रावल नजर नहीं आएंगे। इन खबरों ने फैंस का दिल भी तोड़ दिया था। बताया जा रहा था कि फिल्म हेराफेरी 3 को लेकर परेश रावल और अक्षय कुमार के बीच कुछ खटपट हो गई थी, जो कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गई थी। परेश रावल ने फिल्म हेराफेरी से बाहर होकर सभी को हैरान कर दिया था।

लोगों ने उनसे बाबू भैया के किरदार में वापसी करने की गुजारिश भी की थी। हालांकि, अब चीजें पटरी पर आती नजर आ रही है। कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अपना मन बदल लिया है और मेकर्स के साथ सुलह कर ली है। कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अक्षय कुमार और प्रोडक्शन हाउस के साथ सभी मुद्दों को सुलझा लिया है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो' हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल साथ नजर आएंगे। गौरतलब है कि हेरा फेरी वर्ष 2000 में रिलीज हुई थी, जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने लीड रोल निभाया था।

शेफाली जरीवाला के मौत की वजह 'लो ब्लड प्रेशर', पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की अचानक मौत ने प्रशंसकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है। 'कांटा लगा' फेम शेफाली म्यूजिक वीडियो और 'बिग बॉस 13' के लिए मशहूर थीं। उनकी मौत का कारण लो ब्लड प्रेशर हो सकता है। हालांकि, पुलिस और डॉक्टर पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अंबोली पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात शेफाली अपने अंधेरी (मुंबई) स्थित घर में अचानक बेहोश हो गई थीं। उनके पति, अभिनेता पराग त्यागी, उन्हें तुरंत बेलेव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कूपर अस्पताल के डॉक्टरों का प्रारंभिक अनुमान है कि उनकी मृत्यु की वजह लो ब्लड प्रेशर हो सकती है। पुलिस जांच में पता चला कि शुक्रवार को शेफाली के घर पर पूजा थी, जिसके लिए उन्होंने दिनभर व्रत रखा था। दोपहर 3 बजे के बाद उन्होंने फ्रिज में रखा हुआ खाना खाया था। रात करीब 10:30 बजे वह परिवार और कर्मचारियों के सामने अचानक बेहोश हो गईं। पुलिस ने शेफाली के पति, माता-पिता और घरेलू कर्मचारियों सहित 10 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। जांच के दौरान पुलिस को शेफाली के घर से एंटी-एजिंग, स्किन ग्लो और विटामिन की गोलियां मिलीं। उनके परिवार ने बताया कि शेफाली लंबे समय से बिना डॉक्टरी सलाह के दवाइयां ले रही थीं।

पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। अंबोली पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है। शेफाली के माता-पिता, जो उसी इमारत (गोल्डन रेज, शास्त्री नगर, अंधेरी) में रहते हैं, पूजा में शामिल हुए थे और बाद में चले गए थे। शनिवार को ओशिवारा श्मशान घाट पर शेफाली का अंतिम संस्कार हुआ, जहां उनके पति पराग बेहद भावुक नजर आए। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिपोर्ट आने की उम्मीद है। फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने जरीवाला के निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

'मस्ती-4' के लिए तुरंत हामी भरी, कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी : रूही सिंह

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म 'मस्ती 4' में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही 'मस्ती' फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह 'मस्ती' की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं।

जब मुझे 'मस्ती 4' का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। 'मस्ती' एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ 'ग्रैंड मस्ती' देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

लांच

मुंबई में सोमवार को फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेता अनुपम खेर, शुभांगी दत्त और करण टैकर।

फिल्म 'द पैराडाइज़' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

नेचुरल स्टार नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की फिल्म 'द पैराडाइज़' की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म 'द पैराडाइज़' की जबसे घोषणा हुई है, तभी से नानी की यह फिल्म जबरदस्त चर्चा में है। 'दसरा' जैसी शानदार फिल्म देने वाले श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब इस फिल्म को लेकर एक नई और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म 'द पैराडाइज़' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन 'दसरा' फेम श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं। यह नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं। मेकर्स ने शूटिंग सेट से एक शानदार तस्वीर शेयर करते हुए अपने सोशल मीडिया पर लिखा,धगड़ आ गया!

श्रीकांत ओडेला इस फिल्म को बेहद बारीकी से गढ़ रहे हैं। यह फिल्म एसएलवी सिनेमा के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा प्रोड्यूस की जा रही और 'रॉकस्टार' अनिरुद्ध रविचंदर संगीत दे रहे हैं। यह फिल्म 26 मार्च 2026 को दुनियाभर में आठ भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज़ की जाएगी।

पंचायत वेब सीरीज को दिल के करीब मानते हैं रघुवीर यादव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता रघुवीर यादव का कहना है कि सीरीज पंचायत उनके लिए सिर्फ एक वेब सीरीज नहीं है, ये उनके दिल के बहुत करीब है। सीरीज पंचायत ने एक बार फिर अपने नए सीज़न से देशभर के दर्शकों का दिल जीत लिया है। गांव की चुनावी गर्मी में डूबे दर्शकों को सीजन 4 की कहानी ने पूरी तरह से बांध लिया है। ज़मीनी राजनीति को दिलचस्प अंदाज़ में, हास्य और सच्चाई के साथ दिखाने वाला ये सीज़न अब प्राइम वीडियो इंडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। लेकिन इस बार की कहानी सिर्फ अपनी कहानी या दांव-पेचों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए खास है क्योंकि फुलेरा की दुनिया पहले से कहीं ज़्यादा ग्रामीण भारत की आत्मा को पेश कर रही है। और फुलेरा गांव की दुनिया में जान फूंकने वाला चेहरा कोई और नहीं, हमारे अपने प्रधान जी हैं,यानी रघुवीर यादव। उनके निभाए इस किरदार को लोग अब घर का हिस्सा मानने लगे हैं। अब जब दर्शक पंचायत सीजन 4 को खूब पसंद कर रहे हैं, तो रघुवीर यादव खुद कहते हैं कि पंचायत उनके लिए सिर्फ एक वेब सीरीज नहीं है, ये उनके दिल के बहुत करीब है।

उन्हें इस बात की बिल्कुल भी हैरानी नहीं कि ये शो हर उम्र और हर कोने के लोगों को इतना पसंद आ रहा है, क्योंकि इसमें गांव की असली जिंदगी झलकती है। रघुवीर यादव ने बताया,ये वाकई कमाल की बात है कि पंचायत ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, गांव से

लेकर शहरों और विदेशों तक सभी को छू लिया है। जब मैं एक नाटक के लिए ऑस्ट्रेलिया गया था, तो वहां भी हर उम्र के लोग मुझसे सिर्फ पंचायत की ही बात करने आए। रघुवीर यादव ने बताया,शुरुआत में मैं खुद नहीं समझ पाया कि आखिर पंचायत में ऐसा क्या है जो इसे इतना खास बनाता है। लेकिन फिर एहसास हुआ, यही तो असली हिंदुस्तान है। इसकी सादगी, इसकी सच्चाई, छोटे शहरों की रोज़मर्रा की कहानियां जो इतने दिल से कही जाती हैं। यही पंचायत की सबसे बड़ी ताकत है। इसमें कोई खलनायक नहीं, कोई ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा नहीं।

बस असली लोग हैं, जो अपने ढंग से ईमानदारी से ज़िंदगी जी रहे हैं। और लोगों का इससे जो प्यार है जब रिलीज़ डेट 2 जुलाई से बढ़कर 24 जून हुई, तो हर कोई बेचैन हो गया। सब कह रहे थे, 'थैंक गॉड इंतज़ार थोड़ा कम हुआ, ये कुछ दिन भी बहुत भारी लग रहे थे!' यह शो रघुबीर यादव के लिए सिर्फ एक किरदार या स्क्रिप्ट नहीं है, बल्कि एक निजी अनुभव बन गया है। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मेरे मुंह से निकला इसमें एक्टिंग की कोई जगह नहीं है, हमें इन किरदारों के साथ जीना पड़ेगा। ये सिर्फ रोल नहीं हैं, ये असल ज़िंदगी के लोग हैं। इन्हें सच्चाई से निभाने के लिए खुद को पूरी तरह डुबोना ज़रूरी था। लिखावट इतनी सच्ची थी कि पन्नों के बीच छिपे जज़्बात, लिखी बातों से भी ज़्यादा गहरे थे। रघुवीर यादव ने कहा,मैं खुद गांव में पला-बढ़ा हूं, वहीं पढ़ाई की, और सरपंच व पंचायत के ऐसे ही लोगों के बीच जिया हूं। थिएटर के ज़रिए मैंने सालों छोटे-छोटे शहरों मध्य प्रदेश, बिहार, यूपी, राजस्थान का सफर किया है, जहां ऐसे ही लोगों को देखा, उनके बीच वक़्त बिताया। लोगों को गौर से देखने और समझने की जो आदत है, वही मेरी एक्टिंग का आधार बन गई। इसलिए जब 'पंचायत' आई, तो वो बस एक प्रोजेक्ट नहीं लगा, वो अपना-सा लगा। हमने इसे बहुत सच्चाई से किया, और जो प्यार आज इसे मिल रहा है, वो उसी सच्चाई की पहचान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 01-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन युवा संगठन की साधारण सभा जैन विद्यालय में सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया तथा सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री नीरज कटारिया ने मंत्री प्रतिवेदन द्वारा वर्ष भर के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

जीवन परिवर्तन की ओर बढ़ने का समय है चातुर्मास : आचार्यश्री अभयशेखरसूरी

चिकपेट जैन संघ में हुआ संतों का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट के तत्वावधान में प्रेम-भुवनभानुसूरी समुदायवर्ती आचार्य श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी की निश्रा में पंन्यासश्री जयभानुशेखरविजयजी, मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी का साथ आचार्यसम पंन्यासश्री चंद्रशेखरविजयजी के शिष्य गणिवर्यश्री गुणहंसविजयजी, साध्वीश्री हर्षज्योति श्रीजी, अर्हमज्योति श्रीजी का सोमवार को चातुर्मास प्रवेश हुआ। सुबह अभिनव थियेटर के पास से सामैया के पश्चात विविध राजमार्गों से होते हुए संतों ने मंदिर में मंगल प्रवेश किया। संतों के विहार और वैयावच्च की व्यवस्था अर्हम ग्रुप ने संभाली। भंडारी स्कूल के विद्यार्थियों ने बैंड और सलामी के साथ संतों का स्वागत किया। प्रवेश के बाद चिकपेट भवन में आयोजित धर्मसभा में संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी ने सभी संतों का स्वागत किया और कहा कि हम सभी को चातुर्मास में ज़्यादा से ज़्यादा जुड़कर ज्ञान का लाभ प्राप्त करना है।

इस आयोजन में मुनिश्री भुवनभूषण विजयजी ने कहा कि हमारे संस्कारों को और ज्यादा पल्लवित करने के लिए जैन समाज के स्कूल और कॉलेज होने चाहिए। मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि हम सभी को छोटे बच्चों को जीवन जीने की कला सिखाने के लिए उन्हें संस्कारों व शारीरिक बल से भी सशक्त करना होगा। पंन्यास श्री जयभानु शेखरविजयजी ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हमें प्रचंड वैराग्य, पवित्रता के शिखर और पुण्यशाली महात्मा संत का सान्निध्य मिल रहा है जिसका हमें लाभ उठाना चाहिए और उपधान, तपस्या, प्रतिष्ठा आदि कार्य करने चाहिए।

आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन परिवर्तन की ओर बढ़ने का समय है चातुर्मास। उन्होंने कहा कि प्रवचन को लिखकर, पढ़कर व मननकर अपनी जीवन में आत्मसात करना चाहिए तभी जीवन में परिवर्तन संभव है। गुरुपूजन व काम्बली अर्पण का लाभ लेने वाले वरिष्ठ सदस्य प्रकाश राठौड़ ने उपस्थित जनों ने ज्यादा से ज्यादा मासक्षमण तप करना चाहिए। सभा का संचालन विक्रम गुरु ने किया। संगीत की सुरावली लब्धिसूरि जैन संगीत मंडल ने बिखेरी। आदिनाथ सर्वोत्तम सेवा मंडल ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर चिकपेट, वीवी पुरम संभवनाथ जैन मंदिर सहित अनेक संघों के सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित थे।

अशोक भंडारी बने जेवाईएस सेवा ट्रस्ट के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन युवा संगठन(जेवाईएस) सेवा ट्रस्ट की रविवार को आयोजित साधारण सभा में अध्यक्ष सुरेश धोका ने सभी का स्वागत किया। मंत्री सुरेश मांडोत ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सभा में अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल की पूर्णाहुति की घोषणा की। सर्वसम्मति से वर्ष 2025-2% के लिए अशोक भंडारी को ट्रस्ट का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अशोक भंडारी ने सभी को धन्यवाद दिया और उपस्थित सदस्यों से अपने कार्यकाल में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत एव नीरज कटारिया उपस्थित थे। सहमंत्री रूपचंद कुमट ने धन्यवाद दिया। उपस्थितजनों ने अशोक भंडारी को शुभकामनाएं दी।

'नारी विकास हम सबका प्रयास' विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला संगठन ने अध्यक्ष स्नेहलता बाफना की अध्यक्षता में शनिवार को एक होटल में 'नारी विकास हम सबका प्रयास' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें महिला व बालिका मंडल की सदस्याओं की अच्छी उपस्थिति रही। नीतू बाबेल, पवन रांका और ललिता ढीलीवाल ने सबका स्वागत किया। पूर्व संयोजिका लाड बड़ोला ने नवनिर्वाचित अध्यक्षा स्नेहलता बाफना का सम्मान किया तथा दायित्व सौंपा। पूर्व सह संयोजिका गरिमा जैन ने गत चार वर्षीय कार्यकाल का प्रतिवेदन दिया।

अध्यक्ष स्नेहलता बाफना ने कहा कि मंडल की हर नारी का विकास हो यह हम सबका प्रयास होगा। उन्होंने मंडल के नियम व आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सबके सहयोग की अपील की। मंत्री अनीता बाबेल व सहमंत्री शिखा बाफना ने मिलकर संचालन किया।

कांता लोढ़ा, कुसुम डांगी, विजयालक्ष्मी जैन, कुसुम कटारिया, लाड़ बडोला व बालिका मंडल की परी चोरड़िया ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में अनेक मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा विजेताओं का सम्मान किया गया। शिखा बाफना ने धन्यवाद दिया ।

'विवाह' वैवाहिक परिचय सम्मेलन की हो रही है सर्वत्र सराहना

मायुमं बेंगलूरु व मारवाड़ी चेरिटेबल फाउंडेशन ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु एवं मारवाड़ी चेरिटेबल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विवाह' वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन गोड़वाड़ भवन में रविवार को किया गया। इस आयोजन में जैन, ब्राह्मण, खंडेलवाल, अग्रवाल और माहेश्वरी समाज से 190 से अधिक युवक-युवतियों ने अपना पंजीकरण कराया और 100 से अधिक अभ्यर्थी अपने परिजनों सहित उपस्थित हुए। परिचय सम्मेलन में सभी उम्मीदवारों को स्टेज पर आकर अपने परिचय देने का तथा आपसी मेल-मिलाप का पूरा मौका दिया गया। सभी उम्मीदवारों का बायोडाटा का डिजिटल प्रस्तुतिकरण भी किया गया तथा आवश्यकतानुसार बायोडाटा को मोबाइल पर भी शेयर किया गया ताकि योग्य लड़के लड़की के परिवार विभिन्न पारिवारिक जानकारियों का आदान प्रदान कर सके।

दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी व गोड़वाड़ भवन के कुमारपाल सिसोदिया ने कार्यक्रम की शुरुआत की। सम्मेलन में फाउंडेशन के अरुण खेमका, रमाकांत सराफ, संजय जाजोदिया, प्रिंस जैन, पंकज जालान, रमेश भाऊवाला, रमेश टेकरीवाल, प्रदीप पंसारी, आनंद अग्रवाल सहितमायुम के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष जय अग्रवाल और पूर्व अध्यक्ष नीतेश टिबरेवाल भी उपस्थित थे।

परिचय सम्मेलन के संचालन और व्यवस्था में मायुमं बेंगलूरु के उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, सचिव सनी जैन, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, अंकित मोदी, स्नेहकुमार जाजू, सहित अनेक सदस्यों की विशेष भूमिका रही। विवाह परिचय सम्मेलन की इस पहल को इस मौके पर उपस्थित विभिन्न समाज के वरिष्ठ जनों ने सराहा। संदीप बरड़िया ने संचालन किया। अंत में मायुमं के मंत्री सन्नी जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

'चुनौती' कार्यशाला में प्रतिभागियों ने जाना जीवन जीने का असली मजा

बेंगलूरु। जेसीआई गार्डन सिटी द्वारा तैयार किया गया 'जीवन जीने का असली मजा-चुनौती' कार्यशाला का आयोजन गांधीनगर स्थित एक स्कूल में किया जिसमें प्रतिभागियों को चुनौतियों से निपटने, अवसर का लाभ, तनाव कम करने, भावनाओं और जीवन की उलझनों से निपटने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। अनिल दुगड़, विनोद मोदी व कार्तिक सोनेगरा ने प्रशिक्षण दिया। अध्यक्ष कामना जैन ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में यश दुगड़, प्रोजेक्ट टीम हिमानी जैन, सचिन पगारिया और मान्या जैन आदि ने व्यवस्था संभाली।

मुकेश सुराणा बने जैन युवा संगठन के नए अध्यक्ष व सुश्रुत चेलावत बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन की साधारण सभा जैन विद्यालय में सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया तथा सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री नीरज कटारिया ने मंत्री प्रतिवेदन द्वारा वर्ष भर के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल ने आय व्यय का ब्यौरा दिया। सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका ने ट्रस्ट की रिपोर्ट पेश की। पूर्व मंत्री दिलीप संचेती ने संचालन किया। सहमंत्री सुश्रुत चेलावत ने धन्यवाद दिया।

चुनाव अधिकारी शांतिलाल मेहता व सहअधिकारी सुभाष गोटावत ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर आगामी 2025-26 कार्यकाल के लिए 15 कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की। कार्यकारिणी समिति द्वारा सर्वसहमति से मुकेश सुराणा को अध्यक्ष, रितेश पामेचा को उपाध्यक्ष, सुश्रुत चेलावत को मंत्री, दीपेश धोका को सहमंत्री, विनय गाँधी को कोषाध्यक्ष चुना गया।

कार्यकारिणी समिति में मुकेश बाबेल, अनुराग ललवानी, रितेश मेहता, संतोष डुंगरवाल, आतिश धोका, अभिषेक खाबिया, अभिषेक बोहरा, हितेश कांकलिया, कपिल काल्या, मनीष चावत को चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष महावीर मुणोत एवं मंत्री नीरज कटारिया सहित दिलीप संचेती, विशाल गुगलिया को पूर्व पदेन पदाधिकारी व शैलेन्द्र मोगरा तथा अमित सिंघवी को पूर्व कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है ।

तेयुप राजाजीनगर के नए अध्यक्ष मनोनीत हुए जितेश दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा तेरापंथ भवन में रविवार को हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना ने किया। उपाध्यक्ष संजय मांडोत ने गत अधिवेशन की रिपोर्ट पेश की। अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। मंत्री जयंतीलाल गाँधी ने मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष रवि चौधरी ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चन्द्रेश मांडोत, सुनील बाफना, तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी चंद्रेश मांडोत ने वर्ष 2025-26 के लिए सर्वसहमति से जितेश कुमार दक को तेयुप के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया। नए अध्यक्ष दक ने आगामी कार्यकाल में सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प दोहराया। सभा, तेयुप व अन्य संबंधित संस्थाओं के उपस्थित पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम सेन्ट्रल के स्नेह मिलन में दिखा विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ) सेन्ट्रल शाखा का स्नेह मिलन रविवार को एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ जिसमें 400 लोगों ने भाग लिया। टीपीएफ बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीपत मालू के नेतृत्व में संजय सुराणा, श्रेयांश नाहर और आदर्श सुराणा के संयोजकत्व में यह आयोजन हुआ। इस स्नेह मिलन में टीपीएफ दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, पूर्व राष्ट्रीय न्यासी एमसी बलदोटा, पूर्व अध्यक्ष अशोक सुराणा, निर्मल संचेती, जितेंद्र दुगड़, लक्ष्मीपत मालू, हितेश गिरिया, टीपीएफ पश्चिम के अध्यक्ष ललित बेगानी और सचिव कौशल खटेड़ उपस्थित थे। सेंट्रल ब्रांच के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया तथा संस्था के बारे में जानकारी दी। सचिव वर्षा जैन ने शाखा के विभिन्न कार्यक्रमों, प्राप्त पुरस्कारों और मान्यताओं पर प्रकाश डाला। साथ ही वरिष्ठ पदाधिकारियों से टीम का परिचय कराया। हार्दिका संचेती द्वारा एक विशेष प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन श्रेयांश नाहर और आदर्श सुराणा ने किया तथा धन्यवाद संजय सुराणा ने दिया। टीपीएफ सेंट्रल शाखा के सदस्यों को री-कनेक्ट पिन और टीपीएफ पासपोर्ट देकर उन्हें संस्था से फिर जोड़ा।

स्नेह मिलन में उपस्थित जनों को विभिन्न वर्गों में बांट कर उनके लिए बिग बॉस, अंताक्षरी विद ट्विस्ट, मंथली म्यूजिकल चेयर, मस्ती विद हुला-हूप, पिट्ठो, डॉग एंड दि बोन और अन्य समूह खेल आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों ने पूरे दिन के कार्यक्रम का आनंद लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुदेव की आरती

बेंगलूरु के सिंमन्धर स्वामी राजेन्द्र सूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर मामुलपेट के तत्वावधान में आरती मंडल द्वारा दादा गुरुदेव की विशेष भक्ति एवं आरती का आयोजन रविवार को किया गया। सभी भक्तों ने दादा गुरुदेव की पूजा अर्चना कर आरती की। दिनेश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी। दादा गुरुदेव की आरती करने वाले 60 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। आरती का लाभ कमलाबाई मिश्रीमल गादिया परिवार ने लिया। मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, सुरेश जैन सहित बाहर क्षेत्रों से भी गुरु भक्त उपस्थित हुए।

प्रसन्न धोका बने तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु की 42वीं वार्षिक साधारण सभा तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन निवर्तमान अध्यक्ष रजत बैद ने किया। सहमंत्री अंकित छाजेड़ ने पिछले वर्ष की कार्यवाही का वाचन किया। अध्यक्ष विमल धारीवाल ने अध्यक्षीय भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और सेवा कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। मंत्री राकेश चोरड़िया द्वारा मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कोषाध्यक्ष महेन्द्र कोचर ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। इस मौके पर सेवानिवृत सदस्यों व अन्य सदस्यों का सम्मान किया गया।

चुनाव अधिकारी प्रकाश कुंडलिया व सहचुनाव अधिकारी विनय बैद, चंदनमल बोहरा ने चुनाव प्रक्रिया पूर्ण कर सर्व सहमति से प्रसन्न धोका को नव अध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर महावीर धोका, विनय बैद, गौतम मांडोत, अभातेयुप के रोहित कोठारी एवं प्रदीप चोपड़ा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। समापन पर सहमंत्री प्रतीक जोगड़ ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिद्धचक्र महा पूजन

सोमवार को बेंगलूरु के महालक्ष्मीलेआउट स्थित लोढ़ा निवास पर साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी के सान्निध्य में विश्व शांति के लिए सिद्धचक्र महापूजन किया गया। विधिकारक धनंजय गुरु एवं सुभाष गुरु ने विधिविधान कराए तथा ब्रजेश एंड पार्टी ने संगीत की प्रस्तुति दी। इस मौके पर नरेश बम्बोरी, चेतनप्रकाश झारमुथा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com